सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 54 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 07 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सिर्फ फोटो खींचना या वीडियो बनाना अपराध नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी महिला की सिर्फ तस्वीर खींचना या मोबाइल फोन से उसकी सहमति के बिना विडियो बनाना दूसरे की निजी गतिविधियों में गुप्त रूप से ताकझांक करने का अपराध नहीं बनता है। अदालत ने कहा कि किसी महिला के निजी गतिविधियों में ताकझांक हो, तभी भारतीय दंड संहिता की धारा 354ष्ट (वॉयरिज्म) का अपराध बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने उस शख्स को आरोपमुक्त कर दिया जिस पर शिकायतकर्ता को डराने धमकाने और उसकी सहमति के बिना उसकी तस्वीरें और विडियो शूट कर उसकी निजता भंग करने और उसकी मर्यादा का अपमान करने का आरोप था। जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की अगुवाई वाली बेंच ने 2 दिसंबर को दिए आदेश में आरोपी को आरोपमुक्त कर दिया। यह मामला पश्चिम बंगाल का है।

राष्ट्र की सुरक्षा में सैन्य जवानों का योगदान अतुलनीय - साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज छत्तीसगढ़ राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के प्रतीक स्वरूप सम्मान बैज लगाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग, साहस और राष्ट्रसमर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। देश की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे जवानों का योगदान अतुलनीय है।' मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु अपनी ओर से अंशदान भी प्रदान किया। इस अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा पद्मश्री उषा बारले उपस्थित थीं।

एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने ये एक्सक्लूसिव जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। एलओसी के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार एलओसी की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। फोर्सेज को सख्त निर्देश हैं कि घुसपैठ की हर कोशिश नाकाम की जाए।

मध्यप्रदेश के 24 शहरों में पारा 10 से कम बद्रीनाथ-केदारनाथ में बर्फ

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में आज शीतलहर का अलर्ट है। शनिवार को प्रदेश के 24 शहरों में तापमान 10 डिग्री से कम रहा। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तराखंड में रविवार को अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उत्तरकाशी समेत 3 जिलों में बारिश की संभावना है। शनिवार को केदारनाथ में तापमान माइनस 16डिग्री और बद्रीनाथ में माइनस 11डिग्री दर्ज किया गया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर पीएम मोदी ने देश वासियों से की एक खास अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के बहादुर सैनिकों को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि वह उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जो अटूट साहस के साथ हमारे देश की रक्षा करते हैं। उनका अनुशासन, दृढ़ संकल्प और भावना हमारे लोगों की रक्षा करती है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि सैनिकों का संकल्प ही हमारे देश को मजबूत बनाता है। उनकी प्रतिबद्धता हमारे देश के प्रति कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण का एक शक्तिशाली उदाहरण है। आइए हम भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में योगदान दें।

इस दिन को मनाने के पीछे की वजह शहीद सैनिकों को याद करना और सशस्त्र बलों के लिए धन का संग्रह करना है। इसके आयोजन का एक कारण सेना के प्रति सम्मान का इजहार करना भी है। सशस्त्र सेना झंडा

दिवस के दिन जल, थल और वायु सेना के प्रतिकात्मक छोटे झंडे भी वितरित किए जाते हैं, जिसके बदले देश के नागरिक दान देते हैं। देश के लिए कुर्बान हुए सैनिकों के प्रति यह अपनी भागीदारी निभाने का बड़ा तरीका भी है।

जिला स्तर पर स्कूल-कालेजों में भी इस अवसर पर कागज के झंडे और वाहनों पर लगाए जाने वाले स्टिकर बेचे जाते हैं. इससे आम लोगों को सशस्त्र सेना के बारे में जानने और अपना छोटा सा योगदान देने का अवसर प्राप्त होता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का इतिहास बहुत पुराना है। दरअसल, सरकार ने आजादी के बाद शहीद सैनिकों के परिवारों और साथ ही शारीरिक तौर पर अक्षम सैनिकों के लिए धन जुटाने की शुरुआत की। इसके तहत 28 अगस्त साल 1949 को तब देश के रक्षामंत्री बलदेव सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया। समिति का गठन रक्षाकर्मियों के कल्याण को ध्यान में रखते ही किया गया।

गोवा के नाइट क्लब में सिलिंडर फटा, टूरिस्ट सहित 25 की मौत

सीएम भी पहुंचे, मैनेजर गिरफ्तार, अब तक 4 टूरिस्ट सहित 18 शवों का शिनाख्त

पणजी (ए.)। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 3 लोगों की मौत जलने और बाकी की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे की पूरी जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और फोरेंसिक टीम आग की असली वजह की जांच कर रही है।

आग लगने के वक्त क्लब में डांसर और बैंड परफॉर्मेंस दे रहे थे। आग लगने के बाद क्लब में अफरा तफरी का महौल दिखा। क्लब में धुआं भरता दिखा, जिससे लोगों का दम घुटने लगा।

पणजी से करीब 25 किलोमीटर दूर अरपोरा गांव में यह पॉपुलर पार्टी वेन्यू पिछले साल खुला था। आग आधी रात के बाद रोमियो लेन के पास बिर्च में लगी।

गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि 25 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मरने वालों में ज्यादातर क्लब में काम करने वाले कर्मचारी थे। डीजीपी ने कहा- आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर में बनी रसोई से क्लब के दूसरे हिस्सों में फैली। इसलिए सबसे ज्यादा शव किचन एरिया से मिले हैं। भागने की कोशिश में दो लोगों की मौत सीढ़ियों पर हुई।

एक्शन लेंगे - सीएम सावंत

सीएम सावंत ने कहा कि जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेफ्टी ऑडिट की मांग

बीजेपी एमएलए माइकल लोबो ने कहा कि राज्य के सभी क्लबों का सेफ्टी ऑडिट करवाना जरूरी है। टूरिस्ट गोवा को हमेशा एक सुरक्षित जगह मानते हैं। आगे ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

साय ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की है।

बंगाल में मस्जिद के बाद अब हैदराबाद में बाबरी मेमोरियल

हैदराबाद (एजेंसियां)। 1991 में स्थापित तहरीक मुस्लिम शब्बन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने का ऐलान किया है। यह फैसला मस्जिद गिराए जाने की 33वीं बरसी पर बाद लिया गया। संस्था के प्रेसिडेंट मुश्ताक मलिक ने कहा हम जल्द ही ऐलान करेंगे कि यह कैसे और कितने समय में बनाया जाएगा।

■ दिया तुलसी दास कृत रामचरित मानस का हवाला

इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखी है। कबीर ने कहा, कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है।

मुर्शिदाबाद में मस्जिद निर्माण के लिए 6 दिसंबर की सुबह से लाखों लोग अपने साथ ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

तहरीक मुस्लिम शब्बन के प्रेसिडेंट ने आरोप लगाया कि तुलसीदास का रामायण देखें, बाबरी मस्जिद बनने के 60 साल बाद लिखी गई। उस रामायण में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि राम मंदिर तोड़ा गया था।

उन्होंने कहा- बाबर के बाद हुमायूं का राज आया, और उसके बाद अकबर का। अकबर के महल में रस्में और प्रार्थनाएं होती थीं। जोधाबाई अकबर के महल में थीं। रस्में, प्रार्थनाएं और हवन होते थे। उस समय तुलसीदास भी जिंदा थे। तुलसीदास अकबर से बात कर सकते थे। मान सिंह उस समय आर्मी चीफ थे। वह उनसे पूछ सकते थे। ऐसी बात तुलसी दास की रामायण में नहीं आती है।

मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि यह देश को बांटने के लिए पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा है। इससे हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और दलितों के बीच जो भाईचारा था, वह टूट गया है, और नफरत के बीज बोए गए हैं।

हुमायूं कबीर, जिन्होंने बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी है। उन्होंने कहा- हमें बताया गया है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते। ऐसा कहीं लिखा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसला दिया था जिसमें कहा गया था कि हिंदू लोगों ने बाबरी मस्जिद गिराई थी। हिंदुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, यहां मंदिर बनाने का फैसला किया गया था। अब सागरदिघी में राम मंदिर की नींव रखी जा रही है। संविधान हमें मस्जिद बनाने की इजाजत देता है।

दांत से खोली दारू की बोतल, गले में अटकी ठिप्पी, हाइटेक में हुआ इलाज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शराब की ठिप्पी को दांतों से खोलना बड़ा कूल माना जाता है। पर यह शौक कभी कभी जान पर बन आती है। दल्ली राजहर निवासी एक 53 साल के व्यक्ति के साथ भी ऐसा ही हुआ। पिछले कई सालों से वह शराब की बोतल को इसी तरह खोलते आ रहे हैं। पर इस बार मामला उलटा पड़ गया। ठिप्पी खुल तो गई पर उसे थूकने के बजाय वह उसे निगल गया। शर्म के मारे किसी को बता भी नहीं पाया। पर दो दिन बाद जब थूक गटकना भी मुश्किल हो गया तो डाक्टर के पास गया। उसे तत्काल हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल रिफर कर दिया गया। हाइटेक के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ आशीष देवांगन ने बताया कि ठिप्पी गहरे धंस गई थी। आसपास सूजन हो जाने के कारण आहार नली पूरी तरह बंद हो गई थी। जब एंडोस्कोप से उसे निकाला जाना संभव नहीं हुआ तो ईएनटी विशेषज्ञ डॉ अपूर्व वर्मा को रिफर किया गया। डॉ अपूर्व ने एनेस्थीसिया देकर उनके गले से ठिप्पी को निकाल दिया। अब मरीज पूरी तरह ठीक है और जल्द ही उसकी अस्पताल से छुट्टी कर दी जाएगी।

शादी में टूटी पार्टी लाइन - कंगना-महुआ सुप्रिया ने शेयर किया स्टेज, लगाए ठुमके

नई दिल्ली (ए.)। बीजेपी सांसद कंगना रनौत, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने बीजेपी सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल की बेटी की शादी में जमकर ठुमके लगाए। तीनों ने मिलकर 'ओम शांति ओम' फिल्म का एक मशहूर गाना 'दीवानगी दीवानगी' पर परफॉर्म किया।

संसद में जरा-जरा सी बात पर हल्लाबोल करने वाले अलग-अलग पार्टी के सांसदों का एक साथ डांस वाला वीडियो लोगों को हैरान कर रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

नवीन जिंदल की बेटी की शादी में ये तीनों महिला सांसद एक साथ मंच पर थिरकती नजर आईं। वीडियो में कंगना रनौत, महुआ मोइत्रा और सुप्रिया सुले 'दीवानगी दीवानगी' गाने पर डांस कर रही हैं, जबकि नवीन जिंदल बीच में खड़े हैं। इस डांस की प्रैक्टिस के दौरान की तस्वीरें भी कंगना रनौत ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर शेयर की थीं।

इंडिगो संकट : छठवें दिन 350+ फ्लाइट कैंसिल

सरकार ने पूछा - बताएं एक्शन क्यों न लिया जाए

नई दिल्ली (ए.) पिछले 5 दिन से चल रहे इंडिगो संकट के कारण शनिवार को भी 800 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। छठे दिन भी यह सिलसिला जारी है।

हालांकि इंडिगो ने दावा किया है कि उसने 95प्रतिशत रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि 138 में से 135 डेस्टिनेशंस पर फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। हमें लोगों का भरोसा दोबारा जीतने के लिए काफी वक्त लगेगा।

इधर, रविवार को भी इंडिगो की 350 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं। इसके बाद सरकार ने बाकी एयरलाइंस के बढ़ते किराए पर रोक लगाई।

सरकार सख्त - इंडिगो संकट पर जारी किए आदेश-निर्देश

कंपनी को पैसे रिफंड करने और कैंसिल या रुकी हुई फ्लाइट्स के लिए पूरा रिफंड प्रोसेस 7 दिसंबर को रात 8 बजे तक पूरा करना होगा। अगले 48 घंटों में पैसेंजर के बैगेज को ट्रेस करके डिलीवर करना होगा। कंपनी के सीईओ को 24 घंटे में बताना होगा कि पिछले 5 दिन से जारी संकट के चलते कंपनी पर एक्शन क्यों न लिया जाए। जवाब न देने पर डीजीसीए एकतरफा फैसला ले सकेगा।

वैवाहिक बलात्कार पर थरूर का बिल

थरूर 21वीं सदी के नेहरू हैं. एक उच्च शिक्षित व्यक्ति को जिस तरह सोचना चाहिए, उनकी सोच उसी दिशा में जाती है. लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका, एक तटस्थ राजनीतिज्ञ के रूप में अपनी छवि स्थापित करने वाले थरूर भाजपा के लिए भी एक पसंदीदा चेहरा हैं. हाल ही में रूसी राष्ट्रप्रमुख पुतिन के साथ डिनर में उनका शामिल होना भी इस बात का द्योतक है. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पोस्ट कर कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित डिनर में शामिल हुआ था. वहां का माहौल बहुत अच्छा और दिलचस्प था. रूसी डेलिगेशन के साथ बातचीत करके मजा आ गया. इस डिनर में लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को न्योता नहीं मिला था. दरअसल, थरूर अपनी स्वतंत्र सोच के लिए जाने जाते हैं, जैसा कि नेहरू के साथ था. इसलिए जब थरूर ने राज्यसभा में मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ा बिल पेश किया तो किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ. दरअसल, यदि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी से उसकी इच्छा के विरुद्ध या उसके विरोध करने के बावजूद संबंध बनाता है तो इसे वैवाहिक बलात्कार कहा जाता है. थरूर ने कहा, 'शादी किसी भी तरह हिंसा का लाइसेंस नहीं है. पत्नी की सहमति हर स्थिति में जरूरी है.' थरूर ने भारतीय न्याय संहिता की उस धारा को हटाने की मांग की है, जिसमें यह अपवाद है कि यदि पत्नी 18 साल से ऊपर है तो पति का बिना सहमति सेक्स करना अपराध नहीं माना जाएगा. थरूर ने इसे 'पुरानी और पितृ सत्तात्मक सोच' बताते हुए कहा कि यह कानून शादीशुदा महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करता है. थरूर ने एक्स पर लिखा 'नहीं का मतलब नहीं ही होता है. शादी किसी महिला की आजादी या उसकी सुरक्षा नहीं छीन सकती. जबरन यौन संबंध हिंसा है, चाहे रिश्ता कोई भी हो।' किसी महिला के कपड़े, पेशे, जाति, या किसी भी बात को सहमति का आधार मान लेना न केवल गलत है, बल्कि उसके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन भी है. थरूर कोई मंत्री नहीं हैं. इसलिए उनके द्वारा पेश किया गया बिल एक प्राइवेट बिल कहलाएगा. हालांकि, प्राइवेट बिल के पास होने की संभावना कम ही होती है पर इससे जरूरी मुद्दों पर बहस तो शुरू हो ही जाती है. कई महिला अधिकार समूह और महिला कार्यकर्ता लंबे समय से इस अपवाद को खत्म करने की मांग उठाते रहे हैं. मैरिटल रेप को 100 से अधिक देशों में अपराध माना जाता है. भारत उन तीन दर्जन देशों में से एक है जहां शादी के बाद अपनी पत्नी से बिना मंजूरी के संबंध बनाने को बलात्कार नहीं माना जाता है. सुप्रीम कोर्ट में मैरिटल रेप को अपवाद मानने से जुड़े मुद्दे पर आठ याचिकाएं लंबित हैं. दिक्कत यह है कि सनातन इस तरह के विषय को लेकर असहज है. पर मामला आधी आबादी से जुड़ा है.

संपादकीय

महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है।

> “ प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है।

दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफसे दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है।

इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है। लेकिन इसकी शर्त यही है कि लापरवाही से सरकारी खर्च न बढ़ाया जाए या कोई खराब योजना का क्रियान्वयन न हो। ऐसे में आंकड़े तो दिखा सकते हैं कि कीमतें नियंत्रण में हैं, लेकिन लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी बयां कर सकते हैं। देश में सच्ची प्रगति तभी मानी जा सकती है, जब राहत हर घर तक पहुंचेगी। लेकिन जरूरत इस बात की है कि राहत सिर्फ सरकारी आकंड़ों में ही नजर न आए। यह भी हकीकत है कि कीमतों का संतुलन मांग व आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जिसकी ओर भी सत्ताधीशों को ध्यान देने की जरूरत होती है। निस्संदेह, ऐसे में खुदरा महंगाई में गिरावट सुखद ही है, लेकिन जरूरत इस बात की भी कि यह राहत आम आदमी को भी महसूस होनी चाहिए।

जल-संरक्षण उपाय बाढ़ व सूखे दोनों का संकट कम करने में बहुत उपयोगी भूमिका निभाते हैं व यदि इन्हें जल-धरोहर की रक्षा के रूप में अधिक प्रतिष्ठित किया जाए तो और भी बढ़ती संख्या में व अधिक उत्साह से लोग इन प्रयासों से जुड़ सकते हैं। किसी भी क्षेत्र में बाढ़ या सूखे के संकट के पीछे अनेक कारक होते है। वर्षा बहुत होगी या कम, अचानक बहुत तेजी से बरसेगी या ऐन मौके पर रूठ जाएगी, इस पर लोगों का नियंत्रण नहीं है। पर इतना जरूर है कि वे यदि जल व मिट्टी संरक्षण के सतत प्रयास करते रहें तो यह दोनों ही संकट व उपजी क्षति को बहुत कम अवश्य किया जा सकता है।

बाढ़ व सूखा संकट से रक्षा के अभिनव प्रयास

भारत डोगरा

यदि एक क्षेत्र के सैकड़ों गांव अपने प्राकृतिक वर्षा जल के बहाव के क्षेत्रों को गंदगी व अवरोधों से मुक्त रखते हैं व इनमें गड्ढे कर इनमें अधिक वर्षा के जल को रोक लेते हैं; चेक डैम आदि निर्माण करते हैं; अधिक वृक्षों व मेढ़बंदी से मिट्टी व पानी को रोकते हैं। तालाबों जैसे जलस्रोतों की नियमित सफाई कर इनकी वर्षा के जल ग्रहण करने की क्षमता को बनाए रखते हैं या बढ़ाते हैं तो इस क्षेत्र में अधिक वर्षा होने पर अधिकांश पानी भली-भांति समा जाएगा। इससे बाढ़ उत्पन्न करने की समस्या कम होगी। दूसरी ओर बाद के महीनों में जल संकट भी कम होगा क्योंकि विभिन्न स्रोतों से अधिक जल एकत्र हो चुका होगा। इस कारण जल-स्तर भी ठीक बना रहेगा, हैंडपंप व कुएं आदि में जल उपलब्ध रहेगा। इस तरह जल-स्रोतों व छोटी-बड़ी नदियों की रक्षा के अनुकूल भी स्थितियां उत्पन्न होंगी।

वहीं दूसरी ओर इन सभी कार्यों की उपेक्षा से मामूली वर्षा तेजी से बहुत सी मिट्टी को भी बहा ले जाएगी और बाढ़ का संकट उत्पन्न करेगी। दूसरी ओर चूंकि विभिन्न स्रोतों व भूजल के रूप में बहुत कम जल संरक्षित हुआ है, अत: मानसून के बाद के महीनों में जल-संकट उपस्थित हो जाएगा। सूख रहे तालाबों पर अतिक्रमण भी होने लगेगा। छोटी नदियां भी संकटग्रस्त हो जाएंगी।

अत: स्पष्ट है कि वर्षा की मात्रा, बांध, तटबंध आदि चर्चित कारकों से अलग आपदाओं से रक्षा में एक बड़ी भूमिका आम लोगों, विशेषकर गांववासियों के जल-संरक्षण से जुड़े प्रयासों की है। जहां ये काम निरंतरता-निष्ठा व सूझबूझ से होंगे, वहां आपदाओं का प्रकोप भी कम हो सकेगा। मरखेड़ा गांव (जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश) एक समय जल संकट से बहुत परेशान था। हैंडपंप, कुएं सभी स्रोतों में पानी बहुत कम मिल रहा था। पानी जुटाने में महिलाओं की कठिनाइयां बहुत बढ़ गई थीं। तब सामाजिक कार्यकर्ता मंगल सिंह ने उपाय सुझाया कि प्राकृतिक जल बहाव मार्ग में सावधानी से स्थान चुनकर निर्धारित गहराई व आकार के गड्ढे बना दिए जाएंगे तो भू-जल स्तर सुधारा जा सकता है। गांववासियों ने उत्साह से यही किया व जो मिट्टी खोदी गई उसका उपयोग मेढ़ बनाने में किया। इसका बहुत सार्थक परिणाम मिला तो गांववासियों ने टूट-फूट रहे चेक डैम की मरम्मत भी कर ली। बहुत सा वृक्षारोपण भी किया। अत: बहुत कम खर्च पर ही गांव का जल-संकट दूर करने में उल्लेखनीय सफलता मिली। कुछ किसानों की उत्पादकता 50 प्रतिशत तक बढ़ गई।

इसी राज्य के जल संकटग्रस्त नदना गांव (जिला शिवपुरी) में ढलानदार भूमि में वर्षा का जल और भी तेजी से बह जाता था और मिट्टी भी अधिक काटता था। खेती की उत्पादकता कम हो गई थी व प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता बढ़ रही थी। यहां भी जल-संरक्षण के प्रयास आरंभ हुए व जल प्रवाह के नाले में लगभग 80 स्थानों पर गड्ढे बनाए गए। खेत-तालाब, गेवियन किस्म के चेक डैक बनाए गए। इससे भू-जल स्तर में बहुत सुधार हुआ, लोगों को कुओं व हैंडपंप में पर्याप्त पानी मिलने लगा। पशु-पक्षियों को जल-स्रोतों में वर्ष भर पर्याप्त पानी मिलने लगा। घास-चारा भी अधिक उपलब्ध होने लगा। कृषि उत्पादकता भी बढ़ी । भूमि कटाव रुका व मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर हुई है।

राजस्थान के करौली जिले के मकनपुर स्वामी गांव में जल-संकट से त्रस्त गांववासियों के प्रयासों के बाद जब जल-स्रोतों की सफाई से प्राप्त उपजाऊ मिट्टी किसानों को उनके खेतों के लिए प्राप्त हुई तो पथरीली, खनन-प्रभावित भूमि पर भी फसल लहलहाने लगी।

इन विभिन्न गांवों में जल स्थिति को इन संरक्षण उपायों से सुधारा गया है तो जहां लोगों को राहत मिली, वहीं आपदाओं के संकट भी कम हुए हैं। इन सभी उदाहरणों में स्थिति सुधारने में सृजन संस्था के कार्यकर्ताओं व गांव समुदाय की भूमिका रही। इस तरह जल संबंधी समृद्ध स्थानीय जानकारी का भरपूर लाभ मिल सका। सृजन ने इन कार्यों में दक्षता प्राप्त अन्य संस्थाओं मसलन, समाज सेवा संस्थान, अरुणोदय व युवा कौशल विकास मंडल जैसी संस्थाओं के सहयोग से यह कार्य अनेक अन्य गांवों तक भी पहुंच सका।

विशेषकर बुंदेलखंड क्षेत्र में तालाबों की समृद्ध परंपरा रही है व इनसे जुड़ी स्थानीय परिस्थितियों को भली-भांति समझने वाली स्थानीय कुशलताएं भी मौजूद हैं। ए.बी.वी. इंस्टिच्यूट ऑफ गुड गवर्नेंस ने ऐसे लगभग 1100 तालाबों के बारे में जानकारी एकत्र की। यदि इनकी सफाई व मरम्मत के कार्य उचित समय पर होते रहे तो इनकी जल-संकट को दूर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी। साथ में अनुचित अतिक्रमणों से इनकी रक्षा करना भी आवश्यक है।

जल-संरक्षण को आगे बढ़ाने के कार्य को सृजन व इसके सहयोगियों ने जल-धरोहर या वाटर हैरीटेज की रक्षा के रूप में भी देखा है। जिस तरह सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्तर पर प्राय: धरोहर की रक्षा की चर्चा होती है, वैसे ही जल-धरोहर की रक्षा की सोच को आगे बढ़ाया गया है।

जन-भावनाएं विशेषकर नदियों की रक्षा से बहुत जुड़ी हैं। इसके बावजूद अनेक प्रतिकूल स्थितियों के कारण अनेक छोटी व सहायक नदियां संकटग्रस्त होती जा रही हैं। इनमें जल बहुत कम होने पर आसपास अतिक्रमण हो जाते हैं व बाद में पानी अधिक बरसने पर पानी की धारा अपना प्राकृतिक मार्ग ढूंढ़ती है तो बाढ़ आ जाती है।

इस तरह जल-संरक्षण उपाय बाढ़ व सूखे दोनों का संकट कम करने में बहुत उपयोगी भूमिका निभाते हैं व यदि इन्हें जल-धरोहर की रक्षा के रूप में अधिक प्रतिष्ठित किया जाए तो और भी बढ़ती संख्या में व अधिक उत्साह से लोग इन प्रयासों से जुड़ सकते हैं।

प्रदेशों की राजधानियों में भोपाल अपना अलग स्थान रखता है

अजय दीक्षित

देश के उत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे शांत मप्र की राजधानी भोपाल ही एक ऐसा शहर है जो प्राकृतिक रूप से काफी सम्पन्न है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ,देश की राजधानी दिल्ली, बिहार की राजधानी पटना , राजस्थान की राजधानी जयपुर, गुजरात की राजधानी गांधीनगर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई यहां तक कि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से भी अधिक प्राकृतिक सौन्दर्य बिखरा हुआ है भोपाल में।

भोपाल आजादी से पहले एक मुस्लिम प्रिंसली स्टेट थी और नबाब शासक हुआ करता था जिसमें अब के रायसेन, होशंगाबाद,आदि जिले भी थे । कहने को तो रियासत थी भोपाल मगर बहुत छोटी थी । आजादी के बाद बेगम सुल्तान अब जहांनुमा पैलेस से हुक्म चलाती थीं।भोपाल बड़े और छोटे तलाव के साथ 100 किलोमीटर रेडियस में जंगलों से घिरा था । इतिहास कार और मप्र के मुख्य सचिव रहे एम एन बुच ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी भोपाल में लिखा है कि भोपाल सतपुड़ा की पहाड़ियों से घिरा एक जंगल ही था जहां बहुत ज्यादा मात्रा में जंगली जानवर थे ।बांस, पाखर, बट,पीपल,का घना जंगल था ।

जब प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1956 में मध्य प्रदेश राज्य बनाया तब राजधानी बनाने का प्रश्न उत्पन्न हुआ। चूंकि मध्यप्रदेश में विदर्भ, छत्तीसगढ़ ,मध्यभारत,भोपाल, महाकौशल, विंध्य प्रदेश का विलय हुआ था तो ग्वालियर सबसे बड़ी प्रिंसली स्टेट थी।महाराजा जीवाजी राव चाहते थे कि ग्वालियर राजधानी बने उधर इंदौर भी बड़ा शहर था। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने बात मानी पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन मुख्यमंत्री भोपाल शंकर दयाल शर्मा की और भोपाल को राजधानी घोषित किया उसमें मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की भी सहमति थी ।जब विधानसभा भवन की समस्या आयी तो मिंटो हॉल का चयन किया गया था।

तत्कालीन समय में भोपाल रोशनपुरा तक ही था जिसमें पुलिस हेडक्वार्टर, मिंटो हॉल,भोपाल स्टेशन, बस स्टैंड, और पुराने भोपाल की बस्ती शामिल थी । आजादी के बाद भोपाल में एम जी एम मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद इंजीनियरिंग कॉलेज, हमीदिया होस्टिटल, न्यू मार्केट,बनी , 1960 के दशक में भोपाल में राजधानी के हिसाब से बल्लभ भवन, मंत्रियों के आवास 74 बंगले,चार इमली में बंगले, माध्यमिक शिक्षा मंडल, और कई प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य किया गया।

अब भोपाल लगभग 20 किलो मीटर रेडियस में है। लेकिन अभी भी देश की पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को छोड़ दें तो भोपाल जैसा सकून, शांति, तापक्रम,बारिश,सफाई, पर्यावरण संरक्षण,कहीं नहीं है।अभी भी मात्र 18 लाख की जनसंख्या है। हालांकि भोपाल में भी बहुत निर्माण कार्य किया गया है। राजधानी क्षेत्र के चलते प्रत्येक विभाग के मुख्यालय, प्रशासनिक अकादमी,ट्रेनिंग सेंटर,नई विधानसभा, नया मंत्रालय, बनाए गए है लेकिन निर्माण कार्य की इजाजत देने वाली संस्थाओं ने पर्यावरण से समझौता नहीं किया है ।नए भोपाल में सिविल सोसाइटी बनी है । भोपाल की खास बात यह भी है कि वहां कोई बहुत बड़ा बाजार नहीं है सभी कुछ बिखरा हुआ है। भोपाल ही एक ऐसा राजधानी क्षेत्र जहां राष्ट्रीय बन अभ्यारण्य भी है।भोपाल की सबसे बड़ी खूब सुरती बड़ा तलाव है जो शायद भारत वर्ष सबसे बड़ा है। केरवा बांध, भदभदा ,कलिया सोत बांध भी जल संरक्षण के है ।

पूरे भारत में राज्यों की राजधानियों में अगर श्री नगर, देहरादून,गांधीनगर ही महानगरों के माप दंडों में भोपाल जैसे है जिनमें देहरादून तो हिमालय की गोद में बसा है जबकि गांधीनगर गुजरात की राजधानी के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया है। श्रीनगर तो बताते हैं कि भारत का स्विट्जरलैंड है होकर हिमालय की में ही बसा है और वहां पर पर्यटन ही है एक भी औद्योगिक इकाई नहीं है।बस हिमालय में चीड़ और देवदार के वृक्ष ही है और घास के मैदान झेलम, चिनाव,जैसी नदियां है। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस युग में भोपाल उत्तम राजधानी है। राजनीतिक दलों के छोटे बड़े कार्यालय है । लेकिन भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है।अब तो मेट्रो भी निर्माणाधीन है और इस वर्ष के अंत में तो 2026 में आरंभ होगी ।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय रही है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंन्स एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है। जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (हृश्वष्टष्ठ देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है?

हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंतत: देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

उक्त कारणों के साथ ही, भारत में धार्मिक पर्यटन में भी भारी वृद्धि हुई है। अब, कई श्रद्धालु परिवार भारत के अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित मंदिर के दर्शन हेतु प्रति माह लाखों की संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार, वाराणसी स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्रि, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे।

इसी प्रकार, भारत की एक और विशेषता है कि यहां विभिन्न त्यौहारों को बड़े ही उत्साह से भाई-चारे के साथ मनाया जाता है। दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं। इस वर्ष एक आकलन के अनुसार दीपावली के पावन पर्व एवं दीपावली के समय के आसपास के समय में मनाए गए विभिन्न त्यौहारों पर 6 लाख करोड़ रुपए के विभिन्न उत्पादों की बिक्री भारत में हुई है। फिर, शादियों का मौसम भी प्रारम्भ होता है जिसमें करोड़ों की संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होते हैं, इन विवाह समारोहों में भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च भारतीय समाज द्वारा किया जाता है। इन कारणों के चलते भी भारत में हाल ही के समय में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे, अंतत: इन उत्पादों का निर्माण भी भारत में होने लगा है तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा

भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर दृढ़ता से अमल किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह उचित व्याख्या की है कि कोई सैनिक भारतीय सेना के सामूहिक आचार-धर्म के ऊपर धर्म की अपनी निजी व्याख्या को तरजीह नहीं दे सकता। इस तरह न्यायालय ने उपरोक्त सैनिक के खिलाफ सेना प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराया। इस सैनिक ने अपने रेजीमेंट के सर्व धर्म स्थल पर जाकर प्रार्थना करने से इनकार कर दिया था। इस रुख पर कायम रहने के कारण सेना से उसे बर्खास्त कर दिया गया, जिस निर्णय को उसने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसकी तरफ से दलील दी गई कि ईसाई धर्म एक ईश्वर की धारणा में आस्था में रखता है, इसलिए जहां विभिन्न महजबों के धर्मों के पूजा स्थल हों, किसी ईसाई को वहां प्रार्थना करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने इस दलील को ठुकरा दिया। कहा कि इस सैनिक ने सेना के अनुशासन, समरसता और अपने साथियों के लिए सम्मान की भावना के ऊपर 'धार्मिक अहंकार' को प्राथमिकता दी। स्पष्टत: किसी बहु-धर्मीय समाज में ऐसे रुख के साथ समन्वय नहीं बनाया जा सकता। भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। जो भी भारतीय सेना में भर्ती होता है, उसे इस व्यवहार संहिता का पालन अवश्य करना चाहिए। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर ना सिर्फ जोर दिया जाए, बल्कि उस पर दृढ़ता से अमल भी किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो। असल में इस सिद्धांत पर अमल की आवश्यकता सिर्फ सेना में ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े हर क्षेत्र में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल के दशकों में भारत में ऐसे उदात्त सिद्धांतों को कई हलकों से चुनौती दी गई है, जिससे समाज में सद्भाव का माहौल बिगड़ा है। इससे सेना जैसी संस्थाओं को अप्रभावित रखने की चुनौती आज और बढ़ी हुई महसूस होती है। उसके बीच सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक भावना के अनुरूप सर्व-धर्म सद्भाव के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रशंसनीय निर्णय दिया है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी की वार्षिक संगीत एवं नृत्य ओपन अब 22 दिसंबर से

भिलाई। बीएसपी के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित ओपन संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 22 से 26 दिसम्बर 2025 के मध्य महात्मा गांधी कलामंदिर, सिविक सेंटर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कर्नाटक (सुगम, शास्त्रीय गायन), हिन्दुस्तानी (सुगम, शास्त्रीय गायन), लोक गायन, एकल नृत्य (भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, ओड़िसी), हिन्दुस्तानी वाद्य (तंतु वाद्य एवं ताल वाद्य) तथा ओपन आयु वर्ग समूह में नृत्य स्पर्धा का आयोजन होगा। आयु समूह को दो वर्गों में 6 से 12 वर्ष एवं 13 से 18 वर्ष में विभक्त किया गया है। कोई भी प्रतिभागी मात्र दो ही विधा में भाग ले सकते है। प्रतियोगिता हेतु प्रवेश पत्र 19 दिसम्बर 2025 तक प्रदान किये जायेंगे। प्रतिभागी बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4 में कार्यालयीन समय में एवं दूरभाष क्र. 9407986308, 9407985598 पर संपर्क कर सकते है। अन्तिम तिथि 20 दिसम्बर 2025 है।

रिटेंशन स्कीम में किराया बढ़ाना अमानवीय - देवेन्द्र

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव ने शनिवार को बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्च सीआर महापात्र से मुलाकात की। विधायक ने कहा कि रिटेंशन स्कीम के तहत निवासरत लोगों को नोटिस देकर किराए में जो बढ़ोतरी कर रही है, वह अमानवीय है। प्रबंधन को इस विषय में पुनर्विचार करना चाहिए और इस पर रोक लगानी चाहिए। विधायक ने कहा कि रिवर्स बिडिंग बंद होनी चाहिए और जो निर्धारित दर है, उसका भुगतान समय पर वर्करों को मिलना चाहिए। इस पर डायरेक्टर इंचार्ज ने सहमति जताई है और कहा है कि जल्द ही बायोमेट्रिक सिस्टम लागू किया जाएगा।

2.60 लाख मतदाताओं की दोबारा की जा रही जांच

दुर्ग। जिला प्रशासन ने सभी 6 विधानसभाओं के मतदाताओं का डिजिटाइजेशन 99 प्रतिशत तक पूरा कर लिया है। प्रक्रिया के तहत लगभग 2.60 लाख मतदाताओं का दोबारा वेरिफिकेशन शुरू कर दिया गया है। ये वो मतदाता हैं जिनमें मृत, अनुपस्थित और स्थानांतरित हुए हैं। अफसरों के मुताबिक 19 प्रतिशत मतदाता ऐसे हैं, जिनका दोबारा सत्यापन किया जाएगा। इन्हें एएसडी कैटेगरी में शामिल किया गया है।

राधिकानगर बूचड़खाने के विरोध में हस्ताक्षर अभियान

भिलाई। राधिका नगर में स्लाटर के खिलाफ सांसद विजय बघेल खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने पर्यावरण विभाग छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखकर जांच की मांग की है कि रहवासी क्षेत्र होने के बावजूद विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी ने बूचड़खाना खोलने की अनुमति कैसे दे दी। सांसद ने पत्र में यह भी लिखा कि केंद्र से जो 17 करोड़ रुपए मिले थे, उसमें भी जमकर बंदरबांट हुई है।

भटगांव जेवरा-सिरसा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. सीताराम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भटगांव, जेवरा-सिरसा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. पंडित सीताराम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्व. शर्मा के संपर्क में रहे वरिष्ठजनों तथा प्रतिमा निर्माता मूर्तिकार अंकुश देवांगन एवं डी.एस. विद्यार्थी को शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि पंडित सीताराम शर्मा न केवल स्वतंत्रता संग्राम के समर्पित सेनानी थे, बल्कि समाजसेवी, आध्यात्मिक पुरुष, कथावाचक, ज्योतिषाचार्य और सेवाभावी व्यक्तित्व के रूप में भी सदैव याद किए जाएंगे। रायपुर के भनपुरी स्कूल में अध्ययन काल के दौरान स्व. शर्मा स्वतंत्रता रैलियों में तिरंगा लेकर अग्रिम पंक्ति में खड़े होते थे। मंत्री श्री यादव ने स्व. शर्मा के साथ बिताए

पलों को याद करते हुए कहा कि वे गीता पाठ, ज्योतिष ज्ञान और कर्मकाण्ड में निपुण थे और गांव में संस्कार शिक्षा का प्रसार करना चाहते थे।

उन्होंने बताया कि संस्कृत विद्या मण्डलम् की बैठक में एक वर्ष के भीतर 100 कर्मकाण्डी पंडित तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि शुद्ध उच्चारण और संपूर्ण 16 संस्कारों की परंपरा को संरक्षित किया जा सके।

इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने हाई स्कूल जेवरा-सिरसा का नामकरण स्व. पंडित सीताराम शर्मा के नाम पर करने की घोषणा भी की। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ को ग्राम पंचायत से अनुमोदन लेकर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। समारोह में महेश शर्मा, सुरेन्द्र कौशिक, कमलेश सहित स्वतंत्रता सेनानी के परिवार के सदस्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बीएसपी ने पिछली 8 माह में छुए तकनीकी प्रदर्शन के नए शिखर

अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच उत्पादन, तकनीकी, आर्थिक मानकों के क्षेत्र में बनाए नए रिकार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अप्रैल-नवंबर अवधि में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का परचम लहराते हुए उत्पादन, प्रेषण तथा तकनीकी-आर्थिक मानकों के क्षेत्र में कई रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। आठ महीनों की यह उपलब्धियाँ न केवल कई पूर्ववर्ती रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ती हैं, बल्कि यह भी सिद्ध करती हैं कि बीएसपी सेल की सबसे कुशल और उच्च प्रदर्शन करने वाली इकाइयों में से एक बना हुआ है।

अप्रैल-नवंबर 2025 के दौरान कच्चे माल और इस्पात उत्पादन में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की गई। कुल सिन्टर उत्पादन 57,88,599 टन तक पहुँच गया, जो वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के 56,86,779 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करता है। अपस्ट्रीम ऑपरेशन्स में भी उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जहाँ कुल हॉट मेटल उत्पादन 39,84,562 टन तक पहुँच गया, जो पूर्व रिकॉर्ड 38,93,257 टन (2023-24) से अधिक है। इसी क्रम में कुल क्रूड स्टील उत्पादन 38,29,428 टन रहा, जो 2023-24 के 36,87,966 टन के आँकड़े को पीछे छोड़ते हुए स्टीलमेकिंग संचालन की उल्लेखनीय मजबूती का संकेत देता है।

रेल उत्पादन के क्षेत्र में भी बीएसपी ने राष्ट्रीय नेतृत्व को और सुदृढ़ किया है। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) से तैयार रेल उत्पादन 6,32,979 टन रहा, जो 2024-25 के 5,89,262 टन के पिछले सर्वोत्तम स्तर से ऊपर है। प्राइम रेल उत्पादन 6,09,098 टन तक पहुँच गया, जो 5,58,316 टन (2024-25) के पूर्व रिकॉर्ड को पार करता है। कुल तैयार रेल उत्पादन 9,52,710 टन रहा, जिसने वर्ष 2019-20 के 9,32,459 टन को पीछे छोड़ा। इसी प्रकार कुल प्राइम रेल उत्पादन 8,69,119 टन तक पहुँच गया, जो 2024-25 के 8,05,085 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। लंबी रेल उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जहाँ कुल 7,05,632 टन लंबी रेल का उत्पादन हुआ—यह 2023-24 के 6,10,933 टन के आंकड़े से कहीं अधिक है और इस श्रेणी में अप्रैल-नवंबर 2025 का नया रिकॉर्ड है।

डाउनस्ट्रीम उत्पादन भी इस सकारात्मक रुझान के साथ आगे बढ़ा। कुल तैयार इस्पात उत्पादन 31,51,689 टन तक पहुँचा, जिसने 2024-25 के 31,17,509 टन को पीछे छोड़ दिया। इसी तरह कुल सेलेबल स्टील उत्पादन 36,11,190 टन तक पहुँचा, जो 2023-24 के 34,35,438 टन के पिछले सर्वोत्तम स्तर से अधिक है।

बकाया नहीं चुकाने पर गांधी मार्केट में दुकान किया सील

सालों से बाकी था 50 हजार से अधिक किराया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग ने शहर में वर्षों से किराया बकाया रखने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बाजार विभाग और अतिक्रमण अमले ने अग्रेसन चौक स्थित महात्मा गांधी मार्केट व्यस्थापक सहकारी समिति की दुकान को सील कर दिया।

50106 रुपये बकाया

निगम की जांच में पाया गया कि संबंधित दुकान पर कुल 50,106 रुपये का किराया लंबे समय से बकाया था। बार-बार नोटिस देने के बावजूद राशि जमा न करने पर निगम ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान को सीलबंद कर दिया। बकाया वर्षों से लंबित था।

अग्रेसन चौक में जड़े ताले

कार्रवाई के तहत निगम की टीम अग्रेसन चौक स्थित महात्मा गांधी मार्केट पहुंची और संबंधित दुकान पर ताला जड़ दिया। निगम ने स्पष्ट किया कि अब बकाया किराया दबाकर रखने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ये अधिकारी थे शामिल

सीलिंग कार्रवाई में बाजार विभाग अधिकारी अभ्युदय मिश्रा के नेतृत्व में अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार, सहायक राजस्व निरीक्षक ईश्वर वर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक शशिकांत यादव सहित पूरा अमला मौके पर मौजूद रहा।

लापरवाही पर महापौर ने ली ठेकेदार की क्लास

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम नगर पालिक निगम द्वारा शहर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर उपअभियंता हरिशंकर साहू के साथ पुरानी गंज मंडी में चल रहे पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर पहुँचकर पेवर ब्लॉक्स की गुणवत्ता, बिछाने की प्रक्रिया, लेबर की उपलब्धता और समतलीकरण की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने पाया कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था। पेवर ब्लॉक की फिटिंग, लेवलिंग, उपयोग में आ रही सामग्री की गुणवत्ता एवं कार्य की गति सभी में गंभीर अनियमितताएँ नजर आईं। कहीं पेवर ब्लॉक ठीक से दबाए नहीं गए थे, तो कहीं रेत और बेस लेयर की मोटाई मानक से कम पाई गई।

इन खामियों को देखकर महापौर ने अधिकारियों और मौके पर उपस्थित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में घटिया और लापरवाह निर्माण कार्य ओर निर्माण कार्य मे जरा भी तराई नही और कार्य मे गुणवत्ता नही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। जहाँ-जहाँ मानक अनुसार कार्य नहीं हुआ है, वहाँ पूरा पेवर ब्लाक उखाड़कर दोबारा सही गुणवत्ता के साथ लगाया जाए।

महापौर ने जोर देते हुए कहा कि नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है, और ऐसे में ठेकेदारों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने यह भी चेताया कि यदि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोहराई गई, तो ठेकेदार पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

जैसा कर्म करेंगे, वैसी परिस्थितियां बनेंगी

- ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में सत्य गीता ज्ञान से आंतरिक परिवर्तन का प्रथम दिन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में कर्नाटक हुबली से पधारी गीता ज्ञान विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी ने चार दिवसीय सत्य गीता ज्ञान से आंतरिक परिवर्तन विषय पर ब्रह्माकुमारी टीचर्स बहनों की ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रथम दिन उन्होंने बताया कि सर्वशास्त्र शिरोमणि श्रीमद भगवत गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, अगर हम गीता के ज्ञान को जीवन में धारण करेंगे तभी इसका वास्तविक सार समझ में आएगा।

गीता-ज्ञान सिर्फ सुनने या पढने के लिए नहीं है उसे अपने विचार, व्यवहार, जीवन शैली में अपनाना जरूरी है।

सर्वप्रथम टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी दीदियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

वीणा दीदी ने बताया कि गीता हमें आत्म-ज्ञान, आत्म-चेतना और आत्म-शुद्धि का मार्ग दिखाती है , इससे जीवन में स्थिरता, शांति और संतुलन आता है।

जीवन एक कर्म दर्शन है ,जैसा कर्म करेंगे, वैसी ही परिस्थितियाँ आएँगी। इसलिए कर्म करते समय धर्म, सत्य और परमात्म-चेतना को ध्यान में रखना चाहिए।

गुरुनानक स्कूल में बीएसपी मेन हॉस्पिटल ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

'मिशन लक्ष्मी' के तहत 122 छात्राओं-महिलाओं की जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केन्द्र द्वारा निगमित सामाजिक उत्तर्दायित्व विभाग के सहयोग से सेक्टर-6 स्थित गुरुनानक स्कूल में मिशन लक्ष्मी के अंतर्गत छात्राओं, फैकल्टी तथा कॉन्ट्रैक्चुअल महिला स्टाफ के लिए एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर 06 दिसंबर 2025 को आयोजित किया गया।

शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर द्वारा किया गया। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीषा कांगो तथा महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) संजय दवे विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों के माध्यम से छात्राओं को विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

डॉ. शुभमिता ने बाल स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, जबकि डॉ. निशा ठाकुर ने प्रजनन स्वास्थ्य, कैंसर जागरूकता और मासिक धर्म स्वच्छता पर मार्गदर्शन दिया। पारोमिता दासगुप्ता ने स्वस्थ जीवनशैली एवं संतुलित आहार पर वक्तव्य दिया।

स्वास्थ्य शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड ग्लूकोज, सिकलिंग तथा ब्लड ग्रुप की जाँचें की गईं। कुल 122 छात्राओं, स्टाफ और शिक्षकों ने शिविर में भाग लिया तथा 48 ब्लड सैम्पल्स का संग्रह किया गया।

प्रतिभागियों को क्विज़ के माध्यम से स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी देने के साथ 25 पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक लता मिश्रा ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक प्रबंधक शशि सिंह द्वारा किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार ने किया, तथा अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीषा कांगो, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर तथा उपप्रबंधक (सीएसआर) के.के. वर्मा का मार्गदर्शन प्रमुख रहा। शिविर को सफल बनाने में अनुकृति, सुश्री सारिका (टेक्नोलॉजिस्ट) एवं जमुना (असिस्टेंट) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चेम्बर ने की रायपुर स्टेशन को सर्वसुविधायुक्त बनाने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। 6 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के कुशल मार्गदर्शन में व्यापारिक हितों एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई। चेम्बर के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने रायपुर रेलवे स्टेशन के प्रमुख प्रबंधक आर.पी मंडल से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में डीआरयूसीसी रायपुर संभाग के सदस्य एवं चेम्बर के उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन और जितेंद्र शादीजा शामिल थे।

चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन ने कहा, रेलवे स्टेशन शहर का प्रवेश द्वार होता है, और रायपुर स्टेशन का आधुनिकीकरण प्रदेश के व्यापार और अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। उपाध्यक्ष जितेंद्र शादीजा ने आश्वासन दिया कि, चेम्बर रेलवे के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि सभी व्यापारिक और लॉजिस्टिक समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

लोकेश चंद्रकांत जैन ने यह भी बताया कि विभिन्न सुझावों पर चर्चा कर उन्हें संकलित किया गया जिसे आगामी डीआरयूसीसी रायपुर संभाग के द्वितीय बैठक में प्रमुखता से रखे जायेंगे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

एक हादसे में अपना एक पैर गवां चुके पुरेन्द्र का रायपुर में लगेगा नया कृत्रिम पैर

जशपुरनगर। एक दु:खद हादसे में अपना एक पैर खो चुके पुरेन्द्र यादव को रायपुर में नया कृत्रिम पैर लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार उनका संपूर्ण इलाज तथा कृत्रिम पैर लगाने का समस्त व्यय शासन द्वारा वहन किया जाएगा। यह संवेदनशील पहल दैनिक मजदूरी से जीवनयापन करने वाले पुरेन्द्र के लिए उनके जीवन में एक नई उम्मीद और उत्साह का संचार करने वाली है। ग्राम मयुरचुन्दी, तहसील दुलदुला निवासी पुरेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री के नाम कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वे मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे, किंतु एक दुर्घटना के बाद उपचार के दौरान डॉक्टरों की सलाह पर उनका एक पैर काटना पड़ा। दूसरे पैर की हड्डी तीन स्थानों से टूटी हुई है, जिस पर अभी भी रॉड लगी है। इस कारण वे चलने-फिरने में पूर्णत: असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इस स्थिति ने उनके परिवार को गंभीर आर्थिक संकट में डाल दिया है, क्योंकि घर में उनके अतिरिक्त कोई अन्य कमाने वाला सदस्य नहीं है। पुरेन्द्र ने कैंप कार्यालय से कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि वे पुन: अपने पैरों पर खड़े होकर जीवन की मुख्यधारा में लौट सकें। उनकी स्थिति को गंभीरता से समझते हुए कैंप कार्यालय ने तुरंत संवेदनशीलता के साथ आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी और रायपुर में कृत्रिम पैर लगाए जाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की। पुरेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त हुए कहा कि शासन की इस पहल ने उनके जीवन में फिर से विश्वास, साहस और आशा की किरण जगाई है।

शीत लहर के प्रभाव से बचने के लिए बरते सावधानी

जशपुरनगर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी.एस. जात्रा द्वारा आम नागरिकों से आग्रह किया गया है कि सर्दी को देखते हुए विशेष सावधानी बरते। गर्म कपड़े पहने, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण होने पर चिकित्सक से संपर्क करें। सर्दी के मौसम में जब ठंडी हवाएं तेजी से चलने लगती है, तो तापमान में तेजी से गिरावट होने लगती है, तब इस स्थिति को शीत लहर कहते है। आसान शब्दों में कहा जा सकता है कि सर्दी के मौसम में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 04-05 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला जाता है, तो इसे शीत लहर कहा जाता है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो, टी.वी. एवं समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया द्वारा दी जा रही जानकारी का अनुसरण करें। पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े पहने। नियमित रूप से गर्म पेय पीते रहे। जिला जलवायु परिवर्तन नोडल अधिकारी डॉ डी. के. अग्रवाल ने बताया है की शीत लहर के समय विभिन्न प्रकार की बीमारियों की संभावना अधिक बढ़ जाती है, जैसे फ्लू, सर्दी, खांसी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर चिकित्सक से संपर्क करें। कम तापमान के लक्षण जैसे सामान्य से कम शरीर का तापमान, न रुकने वाली कंपकंपी, याददाश्त चले जाना, बेहोशी या मूर्छा की अवस्था का होना, जुबान का लड़खडाना आदि प्रकट होने पर चिकित्सक से संपर्क कर उपचार प्राप्त करें। शीत लहर के दौरान सॉवधानियां बरते पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे दस्ताने, टोपी, मफ्लर, एवं जूते आदि पहने, शीत लहर के समय चुस्त कपड़े ना पहने यह रक्त संचार को कम करते है, इसलिये हल्के ढीले-ढालें एवं सूती कपड़े बाहर की तरफएवं ऊनी कपड़े अंदर की तरफपहने, शीत लहर के समय जितना संभव हो सके घर के अंदर ही रहें और कोशिश करें कि अतिआवश्यक हो, तो ही बाहर यात्रा करें। जिला महामारी विशेषज्ञ सत्येन्द्र यादव द्वारा बताया गया की पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करें एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फ्ल और सब्जियां खाएं एवं नियमित रूप से गर्म तरह पदार्थ अवश्य पीयें, आवश्यकतानुसार रूम हीटर का उपयोग करें।

यात्रियों को राहत: एसएमएस भेजकर चेक कर सकेंगे पीएनआर स्टेट्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को अब पीएनआर स्टेटस जानने के लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए रेलवे ने नई सुविधा शुरू की है। यात्री अब 139 पर एसएमएस भेजकर अपना पीएनआर स्टेटस चेक कर सकेंगे। यह सुविधा उन यात्रियों के लिए फायदेमंद होगी, जो नेटवर्क की समस्या से जूझते हैं या फिर जिनके पास स्मार्टफोन फोन की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

24 घंटे उपलब्ध रहेगी एसएमएस सुविधा

अब तक यात्री ऑनलाइन वेबसाइट, एप या रेलवे की इन्क्वायरी विंडो से ही पीएनआर की जानकारी लेते थे। भीड़भाड़, कमजोर नेटवर्क और एप के नहीं खुलने से यात्रियों को सही जानकारी नहीं मिल पाती थी। रेलवे के अफसरों के अनुसार एसएमएस सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी और इसके लिए इसमें स्मार्ट फोन की जरूरत नहीं होगी। रोजाना 70 हजार यात्री करते हैं सफर : रायपुर रेलवे स्टेशन से रोजाना 70 हजार यात्री सफर करते हैं, लेकिन शादी और त्योहारी सीजन में यह संख्या 1 लाख तक पहुंच जाती है। वहीं रायपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों से काउंटर मिलाकर एक माह में करीब 1440000 लाख से अधिक टिकट बुक होते हैं। इसमें से करीब 50 प्रतिशत यात्री ग्रामीण इलाकों से आते हैं। ऐसे में जिन यात्रियों का टिकट कन्फर्म नहीं रहता है वह पीएनआर स्टेटस चेक करते हैं।

139 में पीएनआर भेज जान सकेंगे स्टेट्स

अधिकारियों ने बताया कि यात्री मोबाइल से रेलवे हेल्पलाइन 139 में अपना पीएनआर नंबर मैसेज करेंगे। मैसेज भेजते ही सीट की वर्तमान स्थिति, कोच नंबर, बर्थ नंबर, चार्ट तैयार हुआ है या नहीं यह सब जानकारी मिल जाएगी। हकीकत जानने के लिए 139 पर 8241501840 पीएनआर नंबर सेंड किया। रेलवे से तुरंत सारी जानकारी मैसेज के जरिए भेज दी। इसके लिए स्मार्टफोन की जरूरत नहीं होगी। इसके साथ ही नेटवर्क जैसी समस्या के चलते भी आसानी से यात्रियों को सभी तरह की जानकारी मिल जाएगी।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की छात्रा निहारिका नाग बनी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव में छत्तीसगढ़ राज्य का किया नाम रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की होनहार छात्रा निहारिका नाग ने वह कर दिखाया है, जिसका सपना हर विद्यार्थी देखता है। साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली यह बाल प्रतिभा आज अपने हुनर से न सिर्फजिले का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय मानचित्र पर रोशन किया है।

शंकरगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा निहारिका नाग को एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के बाद अपनी मिट्टी कला सामर्थ्य को निखारने का सुनहरा अवसर मिला, जहां विद्यालय के बेहतर माहौल, उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञों के प्रशिक्षण ने उनके सपनों को मजबूती दी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्वर्ण पदक से मिली नई उड़ान

निहारिका ने पहले जगदलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने में सहायक साबित हुई।

उद्भव 2025 में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक से हुई दोहरी जीत

इसके बाद निहारिका ने आंध्र प्रदेश में आयोजित 6 वीं ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव 2025 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। लगातार दोहरा स्वर्ण पदक जीतकर निहारिका ने अपने विद्यालय और छत्तीसगढ़ राज्य का मान बढ़ाया है।

शिक्षकों का मार्गदर्शन बना सफलता की नींव

निहारिका के इस सफलता के पीछे उनके कला शिक्षक श्री राहुल जंघेल की प्रेरणा और विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय कुमार तिर्की का सतत सहयोग और मार्गदर्शन रहा। निहारिका ने साबित कर दिखाया कि प्रतिभा को बस सही मंच की जरूरत होती है। निहारिका की बचपन से ही मिट्टी कला के प्रति गंभीर रुझान रखती थीं और

मेहनत और मार्गदर्शन से बनती है नई पहचान

निहारिका की इस उपलब्धि से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उत्साह का माहौल है। निहारिका की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद ऊंचे सपने देखते हैं। निहारिका नाग की तरह मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी विद्यार्थी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकता है।

विद्यालय ने उनकी इस प्रतिभा को ऊंचाई तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेंदुआ शिकार प्रकरण में त्वरित कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

■ वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के सख्त निर्देशों के बाद कांकेर जिले में तेंदुआ शिकार प्रकरण पर वन विभाग ने तेज और प्रभावी कार्रवाई की। वरिष्ठ अधिकारियों मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) जगलदेव मंडावी तथा वन संरक्षक राजेश कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में आरोपियों की सतत तलाश की गई। विभाग की विशेष टीम ने आज 6 दिसंबर को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

बता दें नरहरपुर परिक्षेत्र के देवी नवांगांव के पास 4 दिसम्बर को एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में मिला था। तेंदुए के चारों पैर कटे हुए पाए गए, जिससे अवैध शिकार और अंग तस्करी की आशंका की पुष्टि हुई। सूचना मिलते ही वन अमले ने मौके पर पहुंचकर कूंए से तेंदुए के शव को बाहर निकाला तथा पशु चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक पंचनामा तैयार कराया गया। घटना को गंभीर मानते हुए अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में शखुदन पिता नारायण उम्र 51 वर्ष, श्रवण पिता महेंद्र उम्र 19 वर्ष, छबिलाल पिता बुदराम उम्र 35 वर्ष और बुदराम पिता अमरसिंह उम्र 71 वर्ष शामिल है। गिरफ्तार इन आरोपियों के पास से तेंदुए के कटे हुए चार पैर (नाखून सहित) बरामद किए गए। शिकार में उपयोग की गई कुल्हाड़ी, रस्सी, लकड़ी आदि सामग्री भी जब्त की गई।

प्रकरण को वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। जांच में ग्राम कोटवार, पटेल और स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अवैध शिकार में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मुंबई-हावड़ा के बीच दो फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन

■ सीजन में कन्फर्म टिकट देने रेलवे की कवायद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शीतकालीन में रेल यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा हावड़ा-मुंकई- हावड़ा के मध्य एक-एक फेरे के लिए विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से दिनांक 06 दिसम्बर 2025 शनिवार को तथा गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से दिनांक 08 दिसम्बर 2025 सोमवार को चलेगी।

गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन 06 दिसम्बर

2025 शनिवार को हावड़ा से 13.55 बजे रवाना होगी तथा खड़गपुर आगमन 15.30 बजे, प्रस्थान 15.35 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 22.03 बजे, प्रस्थान 22.05 बजे तथा दूसरे दिन रविवार को बिलासपुर आगमन 01.15 बजे, प्रस्थान 01.25 बजे, रायपुर आगमन 03.15 बजे, प्रस्थान 03.20 बजे, दुर्ग आगमन 04.15 बजे, प्रस्थान 04.20 बजे और रात 23.45 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से दिनांक 08 दिसम्बर 2025 सोमवार को सीएसएमटी से 11.05 बजे रवाना होगी तथा कल्याण आगमन 12.10 बजे, प्रस्थान 12.15 बजे, नासिक रोड आगमन 15.15 बजे, प्रस्थान 15.20 बजे, दूसरे दिन मंगवार को नागपुर आगमन 01.25 बजे, प्रस्थान 01.30 बजे, गोंदिया आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, दुर्ग आगमन 05.05 बजे, प्रस्थान 05.10 बजे, रायपुर आगमन 05.43 बजे, प्रस्थान 05.48 बजे, बिलासपुर आगमन 07.40 बजे, 20.55 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

किसानों को मिल रहा है उनकी मेहनत का उचित मूल्य - अरविंद

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेशभर में धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से जारी है। जशपुर जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में दुलदुला विकासखंड के ग्राम पंचायत कस्तूरा स्थित धान खरीदी केंद्र में धान बेचने पहुंचे ग्राम गिद्धादाड़ निवासी किसान अरविंद नायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हम किसानों के लिए खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

धान उपार्जन केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाओं से धान विक्रय हुआ आसान

■ पारदर्शी प्रक्रिया और सुविधाओं से संतुष्ट हुए किसान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाया गया है। शासन के निर्देशों के अनुरूप प्रदेशभर के धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। इसके कारण किसान सुगमता से अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं।

इसी क्रम में सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम मुडेसा निवासी किसान श्री मीना राम विश्वकर्मा ने धान खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनकी 1 एकड़ 16 डिसमिल भूमि से उत्पन्न 21 क्विंटल धान को वे मेंड्राकला उपार्जन केंद्र में बेचने पहुंचे, जहां उन्हें टोकन कटाने से लेकर धान की तौल तक किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

किसान विश्वकर्मा ने बताया कि उपार्जन केंद्र पहुंचते ही नमी परीक्षण, गुणवत्ता जांच और अन्य प्रक्रियाएं तत्काल पूर्ण कर ली गईं। केंद्र में पर्याप्त बारदाना उपलब्ध था और धान की तौल पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मिल रहा है, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ हो रहा है और उनकी आय में वृद्धि हुई है। श्री विश्वकर्मा ने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला प्रशासन द्वारा शासन के निर्देशों के अनुसार सभी उपार्जन केंद्रों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल, नमी मापक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, टोकन प्रणाली और पर्याप्त बारदाने जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया गया है। निरंतर निरीक्षण और मॉनिटरिंग के कारण खरीदी कार्य पूरी तरह सुचारू और पारदर्शी रूप से संचालित हो रहा है, जिससे किसानों को कहीं भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 : वैज्ञानिक सोच और तकनीकी कौशल को मिलेगा बढ़ावा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी के मागदर्शन में जिला प्रशासन बालोद और शिक्षा विभाग के तत्वाधान में बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 का आयोजन किया जाएगा। बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 आयोजन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना है। बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के सफल आयोजन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में बताया गया कि बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 में जिले के चयनित विद्यार्थी अपने नवाचारी विज्ञान मॉडल प्रस्तुत करेंगे, जिससे जिले में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सृजनात्मकता को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के लिए जिले से कुल 1589 आइडियाज प्राप्त हुए, जिनमें से 250 मॉडल का चयन किया गया है।

कुल तीन श्रेणियों में विभाजन

इन मॉडलों को कक्षा 6वीं से 8वीं, कक्षा 9वीं एवं 10वीं तथा कक्षा 11वीं एवं 12वीं सहित कुल तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। समीक्षा बैठक में टेक्नोफेस्ट 2.0 के नोडल पंकज सोनी, कार्यक्रम समन्वयक लोचन देशमुख, जरीन खान सहित विभिन्न विभागों के नोडल आरएन देशमुख, एन के यादव, अमित श्रीवास्तव, अशरफ तिगाला, सूर्यकांत सिन्हा, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आईडीटीआर का किया निरीक्षण, दिए जा रहे प्रशिक्षण की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आज नवा रायपुर स्थित आईडीटीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च) तेंदुआ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री कश्यप को आईडीटीआर के संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था, ऑटोमोबाइल लैब और वाहन सिमुलेटर के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने क्लासरूम एवं लैब प्रशिक्षण के साथ ही ड्राइविंग ई-ट्रैक में चालकों के कौशल परीक्षण की प्रक्रिया का भी अवलोकन कराया। इस दौरान मोटरसाइकिल और भारी वाहनों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट का

प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर परिवहन सचिव एस प्रकाश, संयुक्त परिवहन आयुक्त यूबीएस चौहान और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री कश्यप ने राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण के लिए आए वाहन चालकों से चर्चा की। चालकों ने बताया कि यहां उन्हें वाहन संचालन के साथ-साथ बुनियादी तकनीकी ज्ञान, ड्राइविंग कौशल में सुधार और मोटरयान अधिनियम एवं नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है।

मंत्री ने परिवहन अधिकारियों को निर्देशित किया कि रायपुर और आसपास के जिलों के अधिक से अधिक वाहन चालकों को प्रशिक्षण और रिफ्रेशर कोर्स के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि मोटरयान अधिनियम के उल्लंघन के कारण जिन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जा रहे हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से आईडीटीआर में प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इसके साथ ही श्री कश्यप ने स्कूल बस चालकों के नियमित प्रशिक्षण और रिफ्रेशर कोर्स को अनिवार्य रूप से निरंतर संचालित करने के निर्देश दिए। मंत्री कश्यप ने आगे कहा कि राज्य शासन के विभिन्न विभागों में ड्राइवर भर्ती प्रक्रिया के दौरान ड्राइविंग परीक्षण आईडीटीआर के माध्यम से कराए जाएं, ताकि उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए कुशल वाहन चालकों का चयन सुनिश्चित किया जा सके।

छत्तीसगढ़ में बढ़ी सर्दी, मौसम विभाग की कई जिलों में शीतलहर की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर तेजी से बढ़ रहा है। पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार नीचे जा रहा है, जिसके चलते सुबह और रात में गलन बढ़ गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र, रायपुर ने बताया कि उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आज शीतलहर चल सकती है। हालांकि अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में खास उतार-चढ़ाव की उम्मीद नहीं है, लेकिन इसके बाद पारा 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।आज भी राज्यभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। फिलहाल किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

मौसम विभाग का कहना है कि आगामी दो दिनों तक भी मौसम में बड़ा बदलाव देखने की संभावना

कम है। रायपुर में सुबह धुंध छाए रहने की पूरी संभावना है। दिन का अधिकतम तापमान करीब 28 डिग्री सेल्सियस और रात का न्यूनतम तापमान लगभग 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। दिन में सबसे अधिक तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया, जबकि रात में सबसे कम 4.6 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वैलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

अंबानी की पार्टी में श्रीदेवी की बेटी का बजा डंका, गहरे गले की ड्रेस में गिराई बिजलियां जाह्नवी पर ठहरी नजर

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की सुपर लग्जरी शादी के बाद से अंबानी खानदान की पार्टीज रुकने के नाम ही नहीं ले रही हैं। हर थोड़े दिनों में एक नए ग्रैंड सेलिब्रेशन की फेटो सामने आने लगती हैं, जिनमें बॉलीवुड सितारों का भी मेला लगता है। अब गिर फॉरेस्ट में चल रही पार्टी में भी दर्जनों सेलेब्स की भीड़ लगी है। लेकिन सारी लाइमलाइट लूट रही हैं श्रीदेवी और बोनी कपूर की बड़ी लाडली जाह्नवी कपूर।

मुकेश और नीता अंबानी के घर कोई भी पार्टी हो तो सितारों का मेला लग जाता है। खासतौर से जाह्नवी कपूर इन फंक्शन में जरूर पहुंचती हैं और स्टाइल दिखाकर बाकी सबको पीछे छोड़ देती हैं। इस बार भी यही हुआ। सुपर स्टनिंग ड्रेस पहनकर श्रीदेवी की बेटी छा गईं। स्लीवलेस ड्रेस में हसीना ने ऐसा स्टाइल दिखाया कि देखने वाला 'क्या बात है' कह दे। जाह्नवी की ड्रेस स्टाइलिश तो है ही। लेकिन उससे भी खास बात ये है कि उनके कपड़े थीम के हिसाब से भी ऑन पॉइंट नजर आ रहे हैं। तभी तो उनका लुक और भी ज्यादा परफेक्ट बन रहा है। और, सोशल मीडिया पर हसीना की तस्वीरें लोगों का दिल जीत रही हैं।

जाह्नवी ने दिखाया जंगल ग्लैम

गिर फॉरेस्ट में पार्टी चल रही है तो ऐसे में लाजमी है कि पार्टी की थीम जंगल से ही जुड़ी होगी। तभी जाह्नवी ने भी ग्लैमर दिखाने के लिए एकदम परफेक्ट ड्रेस चुनी। वो ELIE SAAB लेबल का आउटफिट पहनी दिख रही हैं। उन्होंने इस आउटफिट को चुनकर थीम का भी ध्यान रखा। और, साथ में लुक को भी लेटेस्ट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

लाखों में है ड्रेस की कीमत

जाह्नवी की ड्रेस सुपर स्टनिंग तो दिख रही है। उनका लुक देखते ही तारीफ निकल रही है। लेकिन ये लुक ऐसे ही खास नहीं बना है। क्योंकि ब्रांड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, इस ड्रेस की कीमत यूएसडी 2,450 यानी लगभग 217,452 रुपये है। लेकिन कपूर खानदान की लाडली के लिए ये कीमत बिल्कुल भी ज्यादा नहीं है।

आउटफिट का डिजाइन है शानदार

अपने लुक से सारा पैसा वसूल करने में जाह्नवी ने बिल्कुल भी हिचक नहीं दिखाई। वो स्लीवेस ड्रेस पहनी दिख रही हैं। जो कि उनके शोल्डर और कॉलर बोन को हाइलाइट कर रही है। इस आउटफिट के जिस भी हिस्से पर आप नजर डालेंगे तो आपको सीक्रेंस वाला काम हुआ नजर आएगा। बॉडी हगिंग वाला अटायर ऊपर से प्लेन दिखा। लेकिन नीचे पेड़, पत्तियों और फूलों वाले प्रिंट नजर आ रहे हैं।

मैचिंग स्कॉर्फ किया कैरी

स्ले करने के लिए श्रीदेवी की बेटी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। ड्रेस के साथ जाह्नवी गले में मैचिंग स्कॉर्फ ओढ़ी नजर आ रही हैं। जिसपर सीक्रेंस वर्क हुआ है। और, जंगल प्रिंट भी नजर आ रहा है। हसीना ने इस स्कॉर्फ को गले में कैरी किया है। जिससे स्टाइलिश लुक परफेक्ट बना। ड्रेसेस वाले लुक को यूनिक बनाना हो तो आप भी गले में स्कॉर्फ कैरी कर सकती हैं।

इयररिंग्स दिखे परफेक्ट

आउटफिट इतना शानदार चुना कि जाह्नवी को गले में नेकपीस पहनने की जरूरत नहीं पड़ी। वो बस कानों में रोज ब्रीज इयररिंग्स पहनी नजर आ रही हैं। जो कि चमचमाते दिख रहे हैं। इन इयररिंग्स का फूलों वाला डिजाइन है। काफी सुंदर दिख रहा है। हाथ में दिख रही तितली वाली अंगूठी भी बढ़िया नजर आई। जाह्नवी जैसे इयररिंग्स लाइटवेट होते हैं। और, कई तरह की ड्रेसेस के साथ पेयर हो जाते हैं।

मैचिंग क्लच ने भी खींचा ध्यान

ड्रेस वाले स्टाइलिश लुक को कंप्लीट बनाने के लिए जाह्नवी ने हाथ में मैचिंग क्लच भी कैरी किया है। जो कि स्प्रिंग क्लेक्शन 2025 का है। और, तभी जाह्नवी के लुक में एक भी कमी नजर नहीं आ रही है। हमेशा की तरह श्रीदेवी की बेटी ने इस बार भी अपने लुक से अंबानी खानदान की पार्टी में धूम मचा दी। तभी उनकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही है।

जिस फिल्म में संजय दत्त से भिड़ेंगे अजय देवगन, बदला उसका पूरा प्लान, 10 दिन पहले ही 2 धांसू अपडेट

अजय देवगन के खाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं. इस साल चार फिल्में रिलीज की गई हैं. शुरुआत हुई थी 'आजाद' से, जिसके बाद 'दे दे प्यार दे 2', 'सन ऑफ सरदार 2' और 'रेड 2' आई. जिसमें से दो हिट और दो फ्लॉप रही है। अब अगले साल पर ही एक्टर का पूरा फोकस है। साल 2026 की पहली फिल्म 'धमाल 4' होगी। अजय देवगन ने ईद पर अपनी फिल्म को लाने का ऐलान किया है। लेकिन अगले साल दो-तीन और भी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। इसी बीच अजय देवगन की अगली बड़ी फिल्म पर धांसू अपडेट सामने आ गया है। जिसमें वो संजय दत्त से भिड़ने वाले हैं।

अजय देवगन की 'दृश्यम 3' लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में जानकारी मिली थी कि मोहनलाल की Drishyam 3 को पहले लाया जाएगा. साथ ही वो फिल्म का शूट भी खत्म कर चुके हैं। उधर मलयालम फिल्म पूरी हुई, इधर अजय देवगन ने अपनी कमर कस ली है। वो जल्द ही दृश्यम के अगले पार्ट का काम शुरू कर देंगे, जिसकी डेट भी सामने आ गई है। लेकिन किस पिक्चर का काम अजय देवगन ने पूरा किया है? जान लीजिए।

अजय देवगन की फिल्म पर आया अपडेट

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि अजय देवगन सुपरफास्ट स्पीड से ही आगे बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि इस हफ्ते की शुरुआत में ही डायरेक्टर जगन शक्ति की फिल्म 'रेंजर' का काम कंप्लीट कर चुके हैं. वहीं, दूसरी ओर 15 दिसंबर से वो 'दृश्यम 3' की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यह एक एक्शन एडवेंचर फिल्म है, जिसमें अजय देवगन के अलावा संजय दत्त और तमन्ना भाटिया भी शामिल हैं। इस पिक्चर में अजय देवगन फॉरेस्ट ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं। जबकि, संजय दत्त फिल्म में जंगल के नेचुरल रिसोर्स लूटने के लिए निकले हुए हैं। जिसका सामना अजय देवगन से होगा।

हाल ही में नई रिपोर्ट से पता लगा कि, RANGER का आखिरी शेड्यूल पालघर में शूट किया गया था। यूं तो पहले यह हिस्सा थाईलैंड और श्रीलंका के जंगलों में शूट होना था। लेकिन पिछले हफ्ते श्रीलंका में साइक्लोन के आने के बाद मेकर्स ने पूरा फैसला ही बदल लिया। वहीं, कुछ हिस्से इंडिया में शूट करने का फैसला लिया गया। जिसके बाद महाराष्ट्र (पालघर) के तुंगारेश्वर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और फंसद वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी को चुना गया।

दृश्यम 3 का शूट कब किया जाएगा?

वहीं, 15 दिसंबर से Drishyam 3 का मुंबई में शूट शुरू कर दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि, अक्षय खन्ना और तब्बू समेत कास्ट 10 दिन के मुंबई शेड्यूल का हिस्सा होंगे। जिसके बाद इनडोर सीन शूट किए जाएंगे। वहीं, क्रिसमस तक शूट करेंगे, उसके बाद न्यू ईयर का ब्रेक लेंगे। वहीं, 2026 के पहले हफ्ते से फिर से फिल्म की शूटिंग शुरू होगी और इसे अप्रैल 2026 तक खत्म करने का प्लान है।

41 की उम्र में 21 जैसा ग्लो करती हैं 'जवान' एक्ट्रेस नयनतारा, जानें उनका ब्यूटी सीक्रेट

साउथ सुपरस्टार नयनतारा की दमदार एक्टिंग के तो सभी फैन है, लेकिन उनकी खूबसूरती के भी लोग कायल हैं। 41 साल की उम्र में भी उनके चेहरे का नूर हर किसी को अपना मुरीद कर लेता है। बढ़ती उम्र के साथ नयनतारा के चेहरे का ग्लो भी बढ़ रहा है, जिसका सीक्रेट हर फैन जानना चाहता है। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपना ब्यूटी सीक्रेट बताया था, जिसकी वजह से उनकी स्किन और बाल दोनों इतने हेल्दी रहते हैं।

उनका मानना है कि इंसान को वही खाना चाहिए, जो उसके रीजन और सीजन के हिसाब से नेचुरली मौजूद हो। ऐसे फूड्स शरीर के साथ ज्यादा आसानी से एडजस्ट होते हैं और स्किन-हेयर हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। नयनतारा कहती हैं कि सीजनल, लोकल और फ्रेश फूड सबसे बेहतर काम करते हैं। वह हाइड्रेशन को भी ब्यूटी का यूनिवर्सल नियम मानती हैं, चाहे कोई भी जगह या मौसम हो।

आजकल की बिजी लाइफ में लोग विदेशी चीजों पर ज्यादा निर्भर रहने लगे हैं, लेकिन अपनी जलवायु में उगने वाली चीजें जैसे नारियल, करी पत्ता, तिल, छाछ, केला, बाजरा को अनदेखा कर रहे हैं। जबकि यह सभी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इन्हें खाने से हमारे शरीर को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। अगर आप बढ़ती उम्र में भी नयनतारा जैसी ग्लोइंग स्किन चाहते हैं तो आपको अभी से अपने खान-पान का खास ध्यान रखने की जरूरत है।

डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नवजोत अरोड़ा के अनुसार, इस बात का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि सिर्फ़ रीजनल या नेटिव होने से फूड स्किन के लिए बेहतर बन जाता है। लेकिन साइंस यह जरूर बताती है कि सीजनल, फ्रेश और मिनिमली प्रोसेस्ड फूड स्किन हेल्थ को मजबूत करते हैं। पारंपरिक भारतीय डाइट में ये खूब मिलते हैं, इसलिए वे नेचुरली स्किन के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। असली फायदा फूड के नेचुरल न्यूट्रिएंट्स, उसकी फ्रेशनेस और हमारे शरीर की अनुकूलता से मिलता है, न कि केवल उसके लोकल होने से

सीजनल फूड अक्सर विटामिन C, पॉलीफिनोल्स और अन्य हीट-सेंसिटिव न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होते हैं, क्योंकि इन्हें लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जाता। ये न्यूट्रिएंट्स स्किन को सनलाइट, पॉल्यूशन और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। जब फल-सब्जियां अपने सीजन में खाई जाती हैं, तो वे हाई न्यूट्रिएंट लेवल पर होती हैं, जिससे स्किन की रिपेयर क्षमता बढ़ती है। इससे ग्लो, टाइटनेस और नेचुरल हाइड्रेशन बेहतर होता है।

डॉ. अरोड़ा बताते हैं कि लोकल या पारंपरिक डाइट हमारे गट माइक्रोबायोम के अनुसार बेहतर ढंग से फिट बैठ सकती है। हमारा शरीर उसी खाना-पानी के माहौल में पला है, इसलिए कई बार लोकल खाने को पचाना आसान होता है। बेहतर गट हेल्थ का सीधा प्रभाव स्किन पर पड़ता है, सूजन कम होती है, एक्ने कंट्रोल में रहता है और स्किन की नेचुरल बैरियर स्ट्रेंथ बेहतर होती है।

खासकर गर्म और नमी वाले इलाकों के सीजनल फूड्स नेचुरली एंटीऑक्सिडेंट, मिनरल्स और विटामिन्स से भरपूर होते हैं। आंवला, संतरा और अमरूद जैसी विटामिन C से भरपूर चीजें कोलाजेन को मजबूत करती हैं। गाजर, आम और हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद बीटा-कैरोटीन स्किन सेल रीजनरेशन में मदद करता है. नट्स-सीड्स से मिलने वाला विटामिन ई सूजन कम करता है। दालों और बीजों में मौजूद जिंक स्किन रिपेयर और हेयर ग्रोथ के लिए अहम है, यह स्किन को अंदर से मजबूत बनाता है।

बीटा-कैरोटीन, जिंक, आयरन, विटामिन C और E ये सभी पोषक तत्व पारंपरिक भारतीय डाइट में खूब मिलते हैं और सीधे तौर पर यह सभी हेयर ग्रोथ, स्ट्रेंथ और शाइन को सपोर्ट करते हैं। आम, गाजर, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, बीज और नारियल ये सब बालों की जड़ों से पोषण करते हैं।

सेना की वर्दी पहने नजर आए सलमान खान और चित्रांगदा सिंह, 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग से वायरल हुई तस्वीर

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चाओं में हैं। लद्दाख में फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद टीम ने मुंबई में भी अपना एक शेड्यूल पूरा कर लिया है। शूटिंग के दौरान सलमान की कुछ फोटोज भी सामने आई हैं। अब इन दिनों सलमान और चित्रांगदा की एक और तस्वीर शूटिंग से वायरल हो रही है।

सोशल मीडिया पर सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की एक तस्वीर वायरल है। यह तस्वीर 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग के सेट से ही है। इस तस्वीर में सलमान और चित्रांगदा दोनों ही भारतीय सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में क्रू मेंबर्स को देखा जा सकता है। इस तस्वीर में सलमान और चित्रांगदा मुस्कुराते हुए एक फैन के साथ तस्वीर खिंचा रहे हैं। यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

'इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3' उपन्यास पर आधारित है फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लद्दाख के बाद अब मुंबई की शूटिंग भी पूरी हो गई है। अब फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन में चली गई है। 'बैटल ऑफ गलवान' 'इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3' उपन्यास पर आधारित है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प की घटना को दिखाएगी। फिल्म में सलमान आर्मी अफसर की भूमिका निभाएंगे।

संघर्ष से सुपरस्टारडम तक कैसे बनी बॉलीवुड की 'क्वीन ऑफ सक्सेस'

कटरीना कैफ का बॉलीवुड सफर उतना आसान नहीं था, जितना आज चमकती स्क्रीन पर दिखता है। हांगकांग में जन्मी और दुनिया के कई देशों में पली-बढ़ी कटरीना इंडिया आई तो उनके पास एक्टिंग का कोई अनुभव नहीं था, न भाषा की पकड़ और न इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर। शुरुआत में उन्हें सिर्फ उनकी खूबसूरती की वजह से नोट किया गया, लेकिन यह वही समय था जब ट्रोल्स और आलोचकों ने उन्हें सिर्फ एक ग्लैमरस चेहरा कहकर नज़रअंदाज़ कर दिया। इसके बावजूद कटरीना ने अपने सपनों से समझौता नहीं किया। छोटी मॉडलिंग असाइनमेंट्स के बाद उन्हें पहली फिल्म मिली 'बूम'। फिल्म फ्लॉप हुई, लेकिन कटरीना ने इसे अपनी कहानी का अंत नहीं बनने दिया।

कटरीना की सबसे बड़ी चुनौती थी हिंदी भाषा। सेट पर उन्हें कई बार डायलॉग्स याद करने में दिक्कत होती थी, लेकिन उन्होंने मेहनत नहीं छोड़ी। कटरीना घंटों तक भाषा सीखतीं, स्क्रिप्ट समझतीं और अपनी हर कमी को सुधारने में लगी रहतीं। यही मेहनत उन्हें धीरे-धीरे उन फिल्मों तक ले गई जिनसे उनका करियर चमक उठा। 'सरकार' और 'मैंने प्यार क्यों किया' के बाद कटरीना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बॉलीवुड ने उनमें सिर्फ एक सुंदर चेहरा नहीं, बल्कि एक मेहनती और समर्पित कलाकार देखना शुरू कर दिया।

कटरीना उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से हैं जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएँ निभाई हैं और उनमें चमकी भी हैं। 'नमस्ते लंदन' ने उन्हें एक्टिंग स्थापित करने का मौका दिया, वहीं 'सिंग इज़ किंग', 'एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है' जैसे ब्लॉकबस्टर्स ने उन्हें सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। उन्होंने 'राजनीति' जैसी फिल्मों में गंभीर किरदार निभाकर साबित किया कि वे सिर्फ ग्लैमरस रोल ही नहीं, बल्कि परफॉरमेंस-ओरिएंटेड भूमिकाएँ भी बखूबी निभा सकती हैं। आज कटरीना उन एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं जो बॉक्स ऑफिस पर फिल्में हिट कराने की गारंटी देती हैं।

डांसिंग क्वीन से स्टाइल आइकन तक

कटरीना का एक और स्ट्रॉन्ग पॉइंट है उनका डांस। 'शीला की जवानी', 'चिकनी चमेली', 'कमली' और 'स्वैग से स्वागत' जैसे गानों ने उन्हें इंडस्ट्री की डांस आइकन बना दिया। उनकी फिटनेस और स्टाइल सेंस भी उन्हें नई पीढ़ी की फेवरेट बनाते हैं। उनका ब्रांड वैल्यू इतना मजबूत है कि वह आज कई बड़े ग्लोबल ब्रांड्स का चेहरा हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग करोड़ों में है, जो दर्शाता है कि वे कितनी बड़ी स्टार हैं।

आज भी मेहनत और शासन की मिसाल

दो दशक से ज्यादा समय से इंडस्ट्री में टिके रहना आसान बात नहीं है। लेकिन कटरीना कैफ अपने काम को लेकर बेहद अनुशासित हैं। वे हर फिल्म की तैयारी में जी-जान लगा देती हैं, चाहे वह एक्शन हो या इमोशन। अपनी निजी जिंदगी को लेकर भले ही वे शांत रहती हैं, लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में उनकी डेडिकेशन उन्हें बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है। कटरीना का बॉलीवुड सफर इस बात का सबूत है।

भूजल स्तर बढ़ाने हेतु सभी उपलब्ध वैज्ञानिक तकनीकों का करें प्रयास- कलेक्टर

मोर गांव मोर पानी महाअभियान के कार्यों का प्रभावी प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष सूरजपुर में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता तथा जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले की उपस्थिति में जल शक्ति अभियान के तहत केंद्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा भूजल संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी तृतीय स्तरीय प्रशिक्षण एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा जिले में संचालित मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत किए जा रहे अभिनव कार्यों का विस्तारपूर्वक प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में भूजल स्तर सुधार, वर्षा जल संचय एवं ग्राउंड वाटर रिचार्ज तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के विशेषज्ञ बी. अभिषेक, डॉ. गुरप्रीत कौर तथा हाइड्रोलॉजिस्ट शिप्रा सुरभी द्वारा जल संरक्षण से संबंधित वैज्ञानिक तकनीकों एवं उपायों की जानकारी उपस्थितजनों को दी गई। इस दौरान सूरजपुर जिले की भौगोलिक एवं भू-वैज्ञानिक संरचना के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। उनके द्वारा ग्राउंड वाटर रिचार्ज तकनीकें, हाइड्रोलॉजिकल साइकल, भूजल स्तर एवं डिस्ट्रिब्यूशन, जल संचय संरचनाओं की डिजाइन, जल प्रदूषण की समस्या तथा जिले की ज्योग्राफिक्कल व जियोलॉजिकल स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही जिले में विभिन्न मौसमों में भूजल स्तर की स्थिति, सिंचाई के वैज्ञानिक तरीके अपनाने एवं वॉटर स्टोरेज प्रॉपर्टीज पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जल संरक्षण की दिशा में वैज्ञानिक तकनीकों एवं नवोन्मेषी उपायों को अपनाते हुए भूजल स्तर में वृद्धि के लिए ठोस कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए पारंपरिक और आधुनिक सभी तकनीकों का समन्वित रूप से उपयोग आवश्यक है। आर ई एस विभाग,मनरेगा एवं संबंधित विभागों के माध्यम से जल संचय संरचनाओं को और अधिक सशक्त रूप से क्रियान्वित किया जाए तथा पंचायत स्तर तक वैज्ञानिक जानकारी पहुंचाकर जनभागीदारी को और मजबूत किया जाए।

इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा जिले में जल संरक्षण की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि किस प्रकार जिले में जल संरक्षण हेतु ब्रश वुड चेक डैम, गल्ली प्लग, लूज बोल्डर चेक डैम, कंटूर ट्रेंच, गैबियन स्ट्रक्चर, डबरी निर्माण, वृहद वृक्षारोपण, मिट्टी बांध, स्टॉप डैम, अमृत सरोवर निर्माण तथा कूप खनन जैसी संरचनाएं तेज गति से विकसित की जा रही हैं। साथ ही जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील प्रयास किया जा रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए विगत 18 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्वारा सूरजपुर जिले को जल शक्ति जन भागीदारी अभियान 1.0 में उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु सम्मानित किया गया था।

इस अभियान में सूरजपुर ने पूर्वी क्षेत्र श्रेणी-3 में देशभर में 12वां स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय पहचान बनाई। कार्यक्रम में ईई जल संसाधन सहित विभाग के अन्य अधिकारी,सभी जनपद सीईओ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने छह दिव्यांग विद्यार्थियों को दिए स्मार्टफोन और ब्लूटूथ कीबोर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें डिजिटल शिक्षा से सशक्त बनाने की दिशा में धमतरी प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित एक सरल एवं गरिमामय कार्यक्रम में छह दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को स्मार्टफोन और ब्लूटूथ कीबोर्ड वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को पढ़ाई, कौशल विकास और डिजिटल दुनिया से जोड़ना है।

कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई कि दृष्टिबाधितों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने हेतु जिले में संचालित 'ज्योतिर्गमय प्रोजेक्ट' के अंतर्गत ये डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं।

इस पहल में सक्षम टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन सक्षम तथा धमतरी निवासी दृष्टिबाधित सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद शर्मा का विशेष योगदान रहा। अरविंद शर्मा बीते कई वर्षों से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ब्रेल, डिजिटल लर्निंग और सहायक तकनीकों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उनकी निरंतर कोशिशों से ही पीयूष निषाद, नेहा, सुहानी, दर्शना, दीपा और संदीप को यह डिजिटल उपकरण प्राप्त हो सके हैं। डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बच्चों को स्मार्टफोन और ब्लूटूथ कीबोर्ड के उपयोग, उनके फीचर्स और पढ़ाई में होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह बताया गया कि इन डिवाइस के माध्यम से बच्चे ई-रीडर, स्क्रीन रीडर, ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डिंग लेक्चर और अन्य डिजिटल शिक्षण सामग्रियों का आसानी से उपयोग कर सकेंगे। इससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और सीखने की गति में सुधार होगा।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर डॉ. कल्पना ध्रुव, डॉ. मनीषा पाण्डेय उप संचालक, समाज कल्याण सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि हर दिव्यांग विद्यार्थी तक शिक्षा और तकनीक की समान पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले में दिव्यांग हितार्थ और अधिक योजनाएँ तथा सहयोगात्मक प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने श्री रामकथा पोस्टर एवं कैलेंडर का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी श्री रामकथा कार्यक्रम हेतु तैयार किए गए पोस्टर एवं कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया।

प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री साय को बताया कि श्री रामकथा का आयोजन 28 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक दुर्ग जिले के जामुल नगर में किया जाएगा। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को इस पावन आयोजन में सादर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री साय ने आमंत्रण के लिए प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया एवं आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मंच के संरक्षक दिलेश्वर उमरे, संयोजक ईश्वर उपाध्याय, तथा जागेश्वर मल सोनी, उमेश निर्मलकर, नेत राम साहू, जितेंद्र साहू, इंद्रजीत उपाध्याय, वैभव उपाध्याय सहित मंच के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बस्तर का हर वृक्ष हर पौधा औषधीय गुणों से भरपूर : किरण देव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राज्य की परंपरागत चिकित्सा पद्धति को नया आयाम देने और जन-सामान्य को प्राकृतिक उपचारों से लाभान्वित करने के उद्देश्य से आज जगदलपुर के वन विद्यालय स्थित दीक्षांत हॉल में परंपरागत वैद्य सम्मेलन एवं हर्बल औषधि प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा और बस्तर ज़िलों के अनुभवी वैद्य,जड़ी-बूटी विशेषज्ञ और स्थानीय पारंपरिक उपचारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह सम्मेलन पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण

सिंह देव ने कहा कि बस्तर का प्रत्येक कण, हर वृक्ष एवं पौधा औषधीय गुणों से भरा हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बस्तर देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट औषधीय पहचान रखता है, जिसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यह विरासत केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अमूल्य है। उन्होंने इस दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस क्षेत्र में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। जिससे बस्तर की इस अनमोल पहचान को और बल मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान श्री देव ने आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करते हुए आयुर्वेद इलाज के अपने व्यक्तिगत अनुभव भी श्रोताओं के साथ साझा किए। उनके अनुभव ने पंरपरागत वैधों और जड़ी बूटी उत्पादकों के उत्साह को और बढ़ाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित अनेक दुर्लभ औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियाँ और सदियों पुरानी पारंपरिक उपचार विधियाँ रहीं। प्रदर्शनी में हर्बल चिकित्सा के वैज्ञानिक लाभों पर गहन चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने वन संपदा संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में पारंपरिक ज्ञान के योगदान पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। आयोजकों ने इस पहल को परंपरागत ज्ञान का संरक्षण और नई पीढ़ी को प्राकृतिक उपचार से जोड़ने का प्रयास बताया। सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों ने आम लोगों को निःशुल्क परामर्श दिया और औषधियों का परिचय कराकर स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया। इस अवसर पर, मुख्य वन संरक्षक आलोक कुमार तिवारी, वनमंडलाधिकारी बस्तर उत्तम कुमार गुप्ता, वनमंडलाधिकारी सामाजिक वानिकी श्रीमति शमा फ़रूक़ी, यूनानी चिकित्सा अधिकारी आयुष विभाग डॉ. बी. प्रकाश मूर्ति तथा उप वनमंडलाधिकारी गण देवलाल दुग्गा, योगेश कुमार रात्रे, इंद्र प्रसाद बंजारे, उप प्रबंध संचालक गुलशन कुमार साहू समेत वन विभाग एवं आयुष विभाग के अनेक अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मृणाल मंडल ने धान विक्रय का सही मूल्य मिला

रायपुर। ऑनलाइन टोकन प्रणाली ने धान खरीदी प्रक्रिया को सरल और सहज बनाया है द्य किसान स्वयं ऑनलाइन टोकन के माध्यम से घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर सकते हैं। समिति में पहुंचते ही उन्हें बिना किसी परेशानी के धान बेचना आसानी हुआ। जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के बलरामपुर विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र बरदर में ग्राम रामनगरकला रहने वाले किसान मृणाल मंडल ने अपनी मेहनत से उपजे लगभग 166 बोरी धान का विक्रय किया। समिति में मिली बेहतर व्यवस्था, सहज प्रक्रिया और त्वरित खरीदी ने उन्हें संतुष्ट किया, मृणाल मंडल बताते हैं कि धान का सर्वाधिक मूल्य ने उनकी मेहनत को सही मूल्य दिलाया है। 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी का प्रावधान किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। श्री मंडल ने बताया कि समय पर समिति पहुंचना और तुरंत धान की खरीदी होना उनके लिए अत्यंत सुखद अनुभव रहा।

दक्ष वैद्य ने उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा से की विद्यार्थियों के लिए आर्थिक सहयोग की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा युवा नेता एव हिन्द सेना समाजसेवी संगठन युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा से भेंट की। दक्ष वैद्य साहू ने मंत्री श्री वर्मा के विभागों से संबंधित कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। श्री वैद्य ने उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर तबके के विद्यार्थियों के हित में मंत्री टंकराम वर्मा को महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। भाजपा युवा नेता दक्ष वैद्य साहू ने मंत्री टंकराम वर्मा से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए गरीब तबके के विद्यार्थियों को शासन की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की वकालत करते हुए कहा कि अक्सर कई युवा धन की तंगी आड़े आ जाने के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़ देने के लिए मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में उनकी प्रतिभा दम तोड़ देती है। जबकि ऐसे युवाओं की सरकारी मदद से उच्च शिक्षा पूर्ण करा कर उनकी प्रतिभा को देश, राज्य और लोकहित में उपयोग किया जा सकता है। उनकी स्किल का उपयोग हम प्रधानमंत्री के विजन 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में कर सकते हैं।

दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, पैरा मेडिकल कोर्सेस, लॉ की पढ़ाई काफी महंगी होती है। निजी कॉलेजों में फीस तो

ऊंची रहती ही है, अध्ययन से संबंधित किताबें और उपकरण भी बड़े महंगे होते हैं। ऐसे में भारी भरकम खर्च उठा पाना गरीब तबके के विद्यार्थियों के बस में नहीं रह जाता। दक्ष वैद्य साहू ने उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के समक्ष रखते हुए बताया कि कानून की किताबें इस कदर महंगी होती हैं कि आम विद्यार्थी उन्हें खरीद नहीं पाते। ऐसे में कई होनहार युवा जज और वकील बनने से चूक जाते हैं, जबकि उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं रहती। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान एवं जरूरतमंद युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता की निहायत ही जरूरत है। दक्ष वैद्य साहू ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा जी इस दिशा में जल्द ही कदम उठाएंगे। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने से युवाओं को न केवल व्यक्तिगत विकास का अवसर मिलता है, बल्कि यह प्रदेश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि में भी व्यापक बदलाव आ सकता है। दक्ष वैद्य साहू ने दोहराया- हमें उम्मीद है कि सरकार इस दिशा में जल्द ही कदम उठाएगी और युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। मंत्री टंकराम वर्मा ने वैद्य की बातों को गौर से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस दिशा में जल्द ही कदम उठाएंगे।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा- हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए और वे अपने सपनों को साकार कर सकें। साथ ही वे छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता की सेवा में योगदान दे सकें। राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन से जुड़े मसलों पर भी दक्ष वैद्य ने मंत्री टंकराम वर्मा के समक्ष अपनी बात रखी। दक्ष वैद्य साहू ने राज्य में नई तहसीलों और उप तहसीलों की स्थापना की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि ऐसा करके किसानों और आम लोगों के राजस्व संबंधी प्रकरणों का तेजी से निपटारा किया जा सकता है। किसान पूरी तरह चिंतामुक्त होकर खेती किसानी पर ध्यान दे सकेंगे और राज्य की कृषि उत्पादन दर में बढ़ोत्तरी ला सकेंगे।

विधायक उसेंडी ने 14.50 लाख रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

कोंडागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने शनिवार को विकास खण्ड कोण्डागांव अंतर्गत ग्राम बांसगांव के ग्रामवासियों को 14.50 लाख रुपए के विकास कार्यों को सौगात दी। इन कार्यों में 12 लाख रुपए की लागत के नवीन पंचायत भवन का भूमिपूजन कार्य और 2.50 लाख रुपए की लागत के सांस्कृतिक रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन शामिल है। विधायक उसेंडी ने कार्यालय प्राचार्य समग्र शिक्षा शासकीय हाई स्कूल बांसगांव का निरीक्षण भी किया और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विधायक द्वारा विद्यालय के बालिकाओं को सरस्वती साइकल योजना के तहत निःशुल्क सायकल का वितरण किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जनपद सदस्य मानबती कोर्राम, जितेन्द्र सुराना, लच्छिन पोयाम, लखीराम, आसमन नेताम, पनकू मानिकपुरी, यदु नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विद्युत विभाग का बड़ा एक्शन : 88 बकायादारों के काटे गए कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिजली बिल की लगातार बढ़ती राशि पर प्रभावी नियंत्रण तथा लंबे समय से बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं पर कार्यवाही के लिए विद्युत विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विगत दिवस बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के बरियो वितरण केंद्र में विशेष वसूली अभियान चलाया गया, जिसके तहत विभागीय टीम ने बड़ी कार्रवाई की।

मुख्य अभियंता छत्तीसगढ विद्युत वितरण कंपनी अम्बिकापुर क्षेत्र यशवंत शिलेदार के नेतृत्व में ,अधीक्षण अभियंता के.एन. सिंह, कार्यपालन अभियंता बलरामपुर प्रकाश अग्रवाल तथा जिले में पदस्थ सभी सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं की संयुक्त टीम सुबह 10:00 बजे ही बरियो पहुंची और बकायादारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की शुरुआत की।

इस दौरान 88 बड़े बकायादारों के विद्युत कनेक्शन की बकाया राशि 23 लाख96 हज़ार 988 रुपये

के लिए काटे गए। 24 बकायादारों ने तत्काल अपने बकाये का भुगतान करते हुए कुल 9 लाख 19 हज़ार 563 रुपये जमा किए।

मुख्य अभियंता शिलेदार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बकाया वसूली के लिए प्रतिदिन इसी प्रकार सघन मुहिम चलाएं, ताकि बकाया राशि की रिकवरी में तेजी लाई जा सके। उन्होंने निर्देश दिए है कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं, उनके घरों की शाम के समय नियमित जांच की जाए। यदि कोई उपभोक्ता अनाधिकृत रूप से बिजली उपयोग करते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही आसपास से अनाधिकृत कनेक्शन लेकर बिजली उपयोग करने पर धारा 138 के तहत एफ्आईआर दर्ज कर न्यायालयीन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिजली बिल जमा कर कार्य में सहयोग दें अन्यथा नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाएगी।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

राजधानी में पकड़ाया नकली पनीर

रायपुर। राजधानी में नकली पनीर बड़ी मात्रा में पकड़ाया है। कबीर नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पैकेट का पैकेट पनीर पकड़ाया है। पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई की जा रही है। हमारी संवाददाता ने नकली पनीर बनाने वालों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि नकली पनीर भिण्ड मुरैना से लाया जाता है, इसके निर्माण में रसायनों का उपयोग किया जाता है। इस स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है। छत्तीसगढ़ के व्यापारियों द्वारा इंदौर भिण्ड, मुरैना नकली खोया मगाया जाता है, इसका इस्तेमाल मिठाई बनाने के लिए किया जाता है। इसमें कई रसूखदार व्यापारी भी शामिल हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन पुलिस के सहयोग से लगातार कार्रवाई कर रहा है।

निगम प्रशासन द्वारा विधानसभा मार्ग में चिकन सेंटर को तत्काल किया सीलबंद

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत विधानसभा मार्ग मोवा में एक चिकन सेंटर में औचक निरीक्षण के दौरान भारी गन्दगी और साफ-सफाई का पूर्ण अभाव पाकर स्थल पर सम्बंधित चिकन सेंटर दुकान को जोन 9 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बारोन बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कड़ी कार्यवाही करते हुए इस सम्बन्ध में रायपुर नगर निगम को प्राप्त हुई जनशिकायतें सही मिलने पर उसको तत्काल संज्ञान में लेते हुए आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा भंडारण एवं विक्रय पर कार्रवाई

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में अवैध मदिरा के भंडारण एवं विक्रय पर कड़ी निगरानी रखते हुए जिले के सभी आठ आबकारी वृत्तों में माह नवंबर 2025 में सतत् कार्रवाई की गई। आबकारी अधिकारी सुनील सूर्यवंशी ने बताया कि आबकारी विभाग के प्रभारी अधिकारियों द्वारा नियमित गश्त एवं दबिश देने के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 163 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें से धारा 34(2) के तहत 19 गैर-जमानती प्रकरण भी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान देशी विदेशी मदिरा, महुआ मदिरा तथा ओडिशा से लाई गई मदिरा कुल 381.40 लीटर तथा 1900 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया है, जिसका कुल बाजार मूल्य 2 लाख 80 हजार 907 रुपए है। जिले में आबकारी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा त्वरित शिकायत निवारण की व्यवस्था भी मजबूत की गई है। नागरिक अवैध मदिरा की बिक्री, परिवहन या निर्माण संबंधी किसी भी सूचना के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के टोल फ्री नंबर 07723-299317 तथा राज्य स्तरीय टोल फ्री नंबर 14405 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त मनपसंद' ऐप के माध्यम से भी शिकायतें ऑनलाइन भेजने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

सड़क हादसे में टेक्नीशियन की मौत, नशे में धुत युवक ने बाइक को मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में सड़क हादसे में एक टेक्नीशियन की मौत हो गई। रिसामा गांव में 6 दिसंबर की शाम दो तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने की टक्कर हुई। एक बाइक पर उत्तम चंद्राकर (38) थे जिनकी डेथ हो गई। वह क्रेडा विभाग के क्लस्टर टेक्नीशियन थे।

दूसरी बाइक पर सवार मिथिलेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला अंडा थाना क्षेत्र का है। घायल युवक को दुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों और विभागीय कर्मचारियों में आक्रोश है। बताया जा रहा है दूसरा बाइक सवार नशे में था।

हेलमेट पहनने के बावजूद गई जान

6 दिसंबर की शाम करीब 3:55 बजे रिसामा स्थित एमएस फ्यूल्स के पास एक मोड़ पर हुई। विनायकपुर (अंडा) के रहने वाले उत्तम चंद्राकर अपने हेल्पर टीलेश साहू के साथ ग्राम

घुपसीडीह में विभागीय काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। हेल्पर टीलेश साहू ने बताया कि वे अपनी सामान्य गति में सही दिशा में जा रहे थे। तभी रिसामा निवासी मिथिलेश यादव अपने एक साथी के साथ गलत साइड से अनियंत्रित गति में आया और सीधे उत्तम चंद्राकर की बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलमेट पहने होने के बावजूद उत्तम चंद्राकर की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के बाद साथी फरार

टीलेश ने यह भी बताया कि टक्कर मारने वाला युवक मिथिलेश और उसका साथी नशे में थे। हादसे के बाद मिथिलेश गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। हादसे के तुरंत बाद हेल्पर टीलेश ने मृतक उत्तम के छोटे भाई चंद्रहास चंद्राकर को फोन पर सूचना दी। परिवारजन घटनास्थल पर पहुंचे और उत्तम को तत्काल दुर्ग जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर शाम होने के कारण पोस्टमॉर्टम अगले दिन सुबह किया जाएगा। फिलहाल शव को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि उत्तम चंद्राकर का वेतन बकाया था और उनका बीमा भी नहीं था, जिससे उनमें गहरा आक्रोश है।

पिछले 10 साल से कार्यरत था टेक्नीशियन

मृतक उत्तम चंद्राकर पिछले 10 सालों से क्रेडा विभाग में क्लस्टर टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत थे। परिवार में माता-पिता, भाई, पत्नी और दो छोटे बच्चे 9 वर्षीय बेटी और 7 वर्षीय बेटा हैं। घर का इकलौता कमाऊ सदस्य होने के कारण उसकी मौत से पूरे परिवार सदमे में है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के विभागीय साथी बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे। यहां कर्मचारियों का आक्रोश साफ दिखाई दिया। उनका कहना था कि हादसे में बाद कंपनी की ओर से बीमा नहीं मिलता। मृतक का भी वेतन बकाया है।

जशपुर में तेज रफ्तार कार ट्रेलर में घुसी, वाहन में सवार पांच की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कटनी-गुमला नेशनल हाईवे नंबर 43 पर देर रात हुए भीषण हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहलाकर रख दिया है। दुलदुला थाना क्षेत्र के पतराटोली में एक तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच युवकों की मौके पर मौत हो गई।

घटना में शामिल कार तेज रफ्तार में थी और सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से सीधे टकरा गई। हादसे का मंजर इतना भयावह था कि आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। दुलदुला थाना प्रभारी केके साहू ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक सभी खटंगा गांव (दुलदुला क्षेत्र) के निवासी थे। मृतकों की पहचान राधेश्याम यादव 26 वर्ष पिता रामप्रसाद यादव, उदय कुमार चौहान 18 वर्ष पिता कृष्ण चौहान, सागर तिर्की 22 वर्ष पिता रफेल तिर्की अंकित तिग्गा 17 वर्ष पिता दिलीप तिग्गा और दीपक प्रधान 19 वर्ष पिता अमर प्रधान के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, सभी युवक आस्ता थाना क्षेत्र के एक मेले से वापस लौट रहे थे। रास्ते में अचानक यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक राधेश्याम यादव के बड़े भाई महेश्वर यादव ने बताया कि सभी दोस्त देर रात तक साथ थे और घर की ओर लौटते समय यह दुर्घटना हुई। वहीं मृतक दीपक प्रधान अपने परिवार का इकलौता सहारा था, जिसकी मौत से घर पर मातम पसर गया है। पोस्टमार्टम और कानूनी प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है। हादसे की वजह कार चालक की तेज रफ्तार मानी जा रही है, हालांकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

11 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा : केबी डिवीजन में थे सक्रिय, इनमें सुकमा का कबीर भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य की सरहद पर सक्रिय 11 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश पुलिस के सामने हथियार डाल दिए हैं। आज सीएम के सामने आधिकारिक तौर पर सरेंडर करेंगे। इनमें एमएमसी जोन के केबी डिवीजन का हार्डकोर नक्सली कबीर भी शामिल है। ये बस्तर के सुकमा जिले का रहने वाला है।

जानकारी के मुताबिक, 6 दिसंबर की रात केबी यानी कान्हा-भोरमदेव डिवीजन कमेटी के नक्सली कबीर समेत 11 माओवादी आईजी के पास पहुंच हथियार डाल दिए हैं। बताया जा रहा है ये नक्सली किसी फॉरेस्ट गार्ड की मदद से जंगल से बाहर निकले और सरेंडर कर दिए हैं।

इनके आत्मसमर्पण करने के बाद अब एमएमसी जोन का केबी डिवीजन लगभग खत्म हो जाएगा।

सुकमा का रहने वाला है कबीर

कबीर सुकमा जिले का रहने वाला है। पिछले कई सालों से वो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ इन राज्यों के बॉर्डर इलाके में सक्रिय था। इन तीनों राज्यों में मोस्ट वांटेड है। उस इलाके में हुई ज्यादातर घटनाओं में ये शामिल रहा है। नक्सली कबीर के साथ उसकी टीम के राकेश, समर उर्फ राजू आत्राम, लालसू, शिल्पा, जयशीला, जरीना, सोनी, जानकी, विक्रम नाम के भी नक्सलियों ने सरेंडर किया है। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

पानी की टंकी पर चढ़े दो युवा उतरते समय सीढ़ी टूटने पर एक युवक गिरा नीचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप के सेक्टर-6 जगन्नाथ मंदिर के पास स्थित पानी की टंकी पर दो युवक चढ़ गए। टंकी पर काफी समय बिताने के बाद उतरते समय सीढ़ी टूट गई। इससे एक युवक नीचे गिरा और उसका हाथ फैक्चर हो गया। इसके बाद वहां भीड़ जमा हो गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचाया। वहीं दूसरा युवक टंकी पर ही फंसा रहा। एसडीआरएफ की टीम ने पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद युवक का सफल रेस्क्यू किया।

एसडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर-6 जगन्नाथ मंदिर के सामने पानी की टंकी से एक युवक गिर गया। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। युवक का हाथ फेक्चर हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। वहीं टंकी पर एक और युवक फंसा हुआ था। बताया जा रहा है कि युवक टंकी से उतर रहा था और टंकी जर्जर होने के कारण उसकी सीढ़ी टूट गई। यहां का बड़ा हिस्सा टूटने से दूसरा युवक उतरने की हिम्मत नहीं कर पाया।

सूचना के बाद मौके पर भिलाई नगर पुलिस पहुंची और एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई। एसडीआरएफ की टीम ने सीड़ी लगाई लेकिन युवक तक नहीं पहुंच पाए।

इसके बाद काफी मशक्कत कर एसडीआरएफकी टीम ने युवक को नीचे उतारा। नीचे उतरने के बाद युवक ने अपना नाम सुमित बताया। उसने बताया वह रिसाली में रहता है और दोस्त के घूम रहा था और अचानक टंकी पर चढ़ने का मन किया तो दोनों टंकी पर चढ़ गए।

सतर्क एप में जब्त प्रकरण की जानकारी दर्ज न करने पर खाद्य निरीक्षक को नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य जिले में सुचारू रूप से जारी है। शासन के निर्देशानुसार अवैध धान परिवहन एवं स्टॉकिंग के विरुद्ध की गई कार्रवाई की तत्काल ऑनलाइन प्रविष्टि सतर्क एप में करने के निर्देश सभी खाद्य निरीक्षकों को दिए गए हैं।

इसी क्रम में 03 दिसंबर 2025 को आयोजित धान खरीदी समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर को अवगत कराया गया था कि अम्बे राइस इंडस्ट्री,

भीखापाली में अवैध धान स्टॉकिंग के अंतर्गत 475 कट्टा अतिरिक्त धान पाया गया, जिस पर जब्ती की कार्रवाई कर प्रकरण तैयार किया गया है। किन्तु 05 दिसंबर 2025 तक संबंधित खाद्य निरीक्षक द्वारा इस जप्त प्रकरण की जानकारी सतर्क एप में दर्ज नहीं की गई।

जिला निगरानी समिति के नोडल अधिकारी द्वारा लगातार निर्देशित किए जाने के बावजूद एप में प्रविष्टि नहीं किए जाने को जिला प्रशासन ने लापरवाही एवं अनुशासनहीनता माना है। इस पर खाद्य अधिकारी ने संबंधित खाद्य निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। निरीक्षक को नोटिस प्राप्ति के 03 दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्धारित समयावधि में जवाब प्राप्त न होने की स्थिति में उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

कबाड़ माफिया पर कार्यवाही, पटरियों के भारी लोहे व सिलेंडरों से भरा वाहन बिना नंबर के किया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा-दर्री थाना क्षेत्र से एक बार फिर कबाड़ माफिया पर बड़ी कार्यवाही की गयी हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने देर रात पेट्रोलिंग के दौरान लगभग 2 बजे रेल पटरियों के भारी लोहे और गैस सिलेंडरों से भरा एक वाहन बिना नंबर का पकड़ा है।

बताया जा रहा हैं की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह पूरा माल चोरी कर अवैध रूप से कबाड़ के रूप में बेचने की तैयारी की जा रही थी। जानकारी के

अनुसार वाहन में बड़ी मात्रा में रेल लाइन का कटा हुआ लोहा और गैस सिलेंडर लोड था। पुलिस को देखते ही वाहन चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने नीलगिरी बस्ती, फर्टिलाइजर के निकट टेकरा मोहल्ला में स्थित रावन नामक युवक के घर से करीब 20 नग कटी हुई रेल पटरियाँ बरामद की हैं। सभी सामान को जब्त कर थाना लाया गया है। कुछ दिन पहले बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में भी रेलवे पटरियों और गैस सिलेंडर से भरा वाहन पकड़ा गया था। लगातार हो रही बरामदगी यह साफ करती है कि जिले में कबाड़ चोरी का एक बड़ा संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो रेलवे संपत्ति को लगातार निशाना बना रहा है।

पुलिस ने बताया कि पूरे गिरोह की पहचान की जा रही है तथा अभियान को और तेज कर बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

एसईसीएल कर्मी ने की आदिवासी युवती के साथ ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के बाकीमोंगरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक आदिवासी युवती ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के कर्मी दीनदयाल गुप्ता (59) पर 2 लाख रुपये की ठगी और यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है।

एसईसीएल की बलगी परियोजना में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत दीनदयाल गुप्ता की मुलाकात पीड़िता से 20 मार्च 2025 को हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि दीनदयाल ने उसे एसईसीएल में नौकरी दिलाने का लालच देकर 5 लाख रुपये की

मांग की थी। तब युवती ने अपनी पैतृक जमीन गिरवी रखकर 2 लाख रुपये नकद आरोपी को दे दिए। लेकिन न नौकरी लगी और न पैसे वापस मिले। उधर दीनदयाल बार-बार 3 लाख रुपये और देने का दबाव बनाता रहा।

पीड़िता ने बताया कि जब उसने अपने 2 लाख रुपये वापस मांगे, तो दीनदयाल ने उसे अपने घर बुलाया। वहां आरोपी ने कहा- जब तक 3 लाख बकाया नहीं दोगी, नौकरी कैसे लगवाऊँ, इसके बाद दीनदयाल ने उसे एक रात उसके साथ सोने का प्रस्ताव दिया, और विरोध करने पर उसके साथ जबरन शोषण की कोशिश की।

आदिवासी युवती की शिकायत पर पुलिस कप्तान सिद्धार्थ तिवारी ने तत्काल मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद बाकीमोंगरा थाना प्रभारी ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस धारा 318(4), 74 ठगी और यौन उत्पीड़न का मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की है। लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं।

10 दिन बाद कब्र खोदकर निकाला महिला का शव

मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक शादीशुदा महिला की मौत के 10 दिन बाद उसका शव कब्र खोदकर निकाला गया। 27 नवंबर को संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हुई थी। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद शव बाहर निकाला गया।

मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है। ग्राम बुंदेला की रहने वाली जया सांडे (23) ने 5 साल पहले लव मैरिज की थी। घटना वाले दिन सुसराल में उसकी तबीयत खराब थी वह अपने कमरे में आराम कर रही थी। थोड़ी देर बाद घर वाले जाकर देखे तो उसकी मौत हो चुकी थी।

जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार करते हुए कफन-दफन किया गया। महिला के मायके वालों ने सुसराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। बुंदेला निवासी जया सांडे (23) का पांच साल पहले गांव के अर्जुन सांडे से प्रेम विवाह हुआ था। 27 नवंबर को वह घर का काम कर रही थी, तभी उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई। उसने ससुराल वालों को इसकी जानकारी दी और घर पर आराम करने लगी। कुछ देर बाद घर के लोगों ने देखा तो जया की मौत हो चुकी थी। इसकी सूचना पति ने तुरंत गांव के लोगों और जया के घर वालों को दी गई। मायके वालों ने घर आकर हंगामा करते हुए ससुराल वालों पर आरोप लगाए। तब गांव के लोगों ने उन्हें पूरे मामले की शिकायत पुलिस करने की सलाह दी। कफन-दफन के 10 दिन बाद मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिजन के आवेदन पर पुलिस ने एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी की अनुमति के बाद राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में कब्र खोदकर मृतका का शव बाहर निकाला। 7 दिसंबर को सिम्स में शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा।

नशे में धुत चालक सो गया, 10 वर्षीय बच्चे ने संभाला ट्रैक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले से गुरुवार शाम एक चौंकाने वाला और बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक के निवास की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर करीब 10 वर्षीय एक बच्चा ट्रैक्टर चलाता हुआ देखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर का वास्तविक चालक अत्यधिक नशे में था। नशे की हालत इतनी अधिक थी कि कुछ ही देर में चालक गहरी नींद में चला गया और वाहन पर उसका नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो गया।

चालक के बगल में बैठे बच्चे ने पहले उसे झकझोरकर जगाने की कोशिश की, लेकिन जब चालक बेहोशी की स्थिति में ही रहा और ट्रैक्टर लड़खड़ाने लगा, तो बच्चे ने

तुरंत स्टेयरिंग संभाल लिया। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि बच्चा आश्चर्यजनक रूप से सहजता से ट्रैक्टर को नियंत्रित करते हुए सड़क पर चलाता रहा।

घटना के बाद लोगों ने सवाल उठाया कि पुलिस अधीक्षक निवास की ओर जाने वाला यह अत्यंत व्यस्त मार्ग है, फिर भी कई किलोमीटर तक एक बच्चा ट्रैक्टर चलाता रहा और किसी भी पुलिस कर्मी की नजर इस पर नहीं पड़ी।

स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से इस मामले में ठोस कार्रवाई की मांग की है।

कोंडापल्ली में संचार क्रांति का नया सवेरा

मोबाइल नेटवर्क पहुंचते ही नाच उठे ग्रामीण

दशकों की प्रतीक्षा समाप्तः कोंडापल्ली में पहली बार मोबाइल नेटवर्क, गांव में उत्सव का माहौल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दूरसंचार, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएँ जहाँ देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य जीवन का आधार बन चुकी हैं, वहीं बस्तर संभाग के कुछ सुदूर वनांचलों ने दशकों तक इन सुविधाओं को कभी देखा ही नहीं था। ऐसे ही एक इलाके, बीजापुर जिले के ग्राम कोंडापल्ली, में अभूतपूर्व उत्सव का माहौल देखने को मिला जब गाँव में पहली बार मोबाइल नेटवर्क आया। कोंडापल्ली तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित एक घना वनांचल है, जहाँ वर्षों से सड़क, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं। ऐसे में गाँव में मोबाइल टॉवर स्थापित होना स्थानीय समुदाय के लिए केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि दुनिया से जुड़ने का प्रतीक बन गया।

जैसे ही टॉवर के सक्रिय होने की घोषणा हुई, ग्रामीणों में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। महिलाएँ, पुरुष, बच्चे — सभी रैली के रूप में टॉवर स्थल तक पहुँचे। पारंपरिक विधि से टॉवर की पूजा-अर्चना की गई। माँदर की थाप पर लोग भावुक होकर नाच उठे। यह दृश्य किसी उत्सव से कम नहीं था।

इस उत्सव में केवल कोंडापल्ली ही नहीं, बल्कि आसपास के गाँवों के लोग भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने कहा कि यह उनके लिए केवल एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि बाहरी दुनिया से पहला वास्तविक जुड़ाव है। सुरक्षा बलों के जवानों ने भी ग्रामीणों की खुशी में शामिल होकर मिठाइयाँ वितरित कीं। अब मोबाइल नेटवर्क ग्रामीणों के लिए बैंकिंग, आधार, राशन, स्वास्थ्य योजनाओं, पेंशन और शैक्षणिक सुविधाओं का प्रवेश-द्वार बनेगा। जिनके लिए यह सेवाएँ अब तक दूर का सपना थीं, उनके लिए यह दिन जीवन में एक नया अध्याय लेकर आया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित नियद नेल्ला नार योजना का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाकर लोगों में विश्वास बढ़ाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। योजना के तहत सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बैंकिंग, संचार सहित प्रशासनिक सेवाओं को तेज़ी से पहुँचाने का काम किया जा रहा है। योजना का दायरा व्यापक है — 69 नवीन कैम्पों के आसपास स्थित 403 ग्रामों में 09 विभागों की 18 सामुदायिक सेवाएँ और 11 विभागों की 25 व्यक्तिमूलक योजनाएँ पहुँचाई जा रही हैं, ताकि ग्रामीण किसी भी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहें। इस पूरी प्रक्रिया में संचार अधोसंरचना सबसे प्रभावी साबित हो रही है। पिछले दो वर्षों में इस क्षेत्र में 728 नए टॉवर स्थापित किए गए हैं — जिनमें 116 एलडब्ल्यूई कार्यक्रम से, 115 आकांक्षी जिलों में, और 467 टावर 4त्न नेटवर्क के रूप में लगाए गए हैं। इसके साथ ही 449 टॉवरों का 2त्न से 4त्न में उन्नयन किया गया है।

कोंडापल्ली में नियद नेल्ला नार योजना से तेज़ी से बदलाव आए हैं। दिसम्बर 2024 में कैम्प स्थापित होने के बाद पहली बार प्रशासन गाँव तक नियमित रूप से पहुँचने लगा। यहाँ लंबे समय से बंद पड़ी सड़क का पुनर्निर्माण बार्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन ने अपने जिम्मे लिया है और 50 किलोमीटर सड़क का कार्य प्रगति पर है।

गाँव में दो महीने पहले ही पहली बार विद्युत लाइन पहुँची है। बिजली आने के बाद से बच्चों की पढ़ाई, छोटे व्यवसाय और ग्रामीण जीवन में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव देखे जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा लगातार सेचुरेशन शिविर आयोजित कर सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक परिवार तक पहुँचाया जा रहा है।

कोंडापल्ली में मोबाइल नेटवर्क के आगमन से यह स्पष्ट हो गया है कि विकास की किरण अब उन इलाकों तक भी पहुँच रहा है, जो वर्षों से प्रतीक्षा में थे। संचार सुविधा के इस नए सवेरे ने ग्रामीणों को भरोसा दिया है कि अब उनका गाँव भी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह आधुनिक सुविधाओं से जुड़कर आगे बढ़ेगा।

बस्तर का हर गांव- विकास की मुख्यधारा से जुड़े

बीजापुर जिले के कोंडापल्ली में मोबाइल नेटवर्क का पहुँचना सिर्फएक टॉवर का खड़ा होना नहीं है, यह उन लोगों के सपनों का उठ खड़ा होना है जो वर्षों से दुनिया से कटे हुए थे। हमारी सरकार का संकल्प है कि बस्तर का हर गांव-हर परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े, डिजिटल सुविधाओं तक पहुँचे और अवसरों के नए द्वार उनके लिए खुलें। यह सिर्फ संचार की शुरुआत नहीं, बल्कि विश्वास, बदलाव और नई संभावनाओं के युग का आरंभ है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रायगढ़ का एक ग्राम बनेगा 'सोलर मॉडल विलेज'

सौर संयंत्र स्थापना, जनजागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और नवाचार पर तय होगा मॉडल विलेज का चयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रायगढ़ जिले में एक ग्राम को पूर्णत: सौर ऊर्जा आधारित सोलर मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में जिला स्तरीय चयन समिति ने औपचारिक रूप से चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिले के उन्हीं ग्रामों को प्रतिस्पर्धा में शामिल किया जाएगा, जिनकी जनसंख्या 5 हजार से अधिक है। चूंकि जिले में इस श्रेणी के ग्राम सीमित संख्या में हैं, इसलिए प्रशासन ने सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 ग्रामों का चयन कर उन्हें छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया में शामिल करने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार को गति देने के लिए जिलों को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर घर सौर ऊर्जा लक्ष्य को धरातल पर साकार किया जा सके।

रायगढ़ जिले में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार जिले में प्रतियोगिता के लिए चयनित 10 ग्राम ग्राम पंचायतों में घरघोड़ा विकासखंड का ग्राम कुडुमकेला, तमनार विकासखंड का ग्राम तमनार, रायगढ़ विकासखंड का ग्राम खैरपुर, धरमजयगढ़ विकासखंड का ग्राम विजयनगर, तमनार विकासखंड का ग्राम तराईमाल, लैलूंगा विकासखंड का ग्राम गहनाझरिया, पुसौर विकासखंड का ग्राम गढ़मरिया, धरमजयगढ़ विकासखंड का ग्राम छाल, पुसौर विकासखंड का ग्राम सिसरिंगा, और पुसौर विकासखंड का ग्राम कोडातराई। इन्हीं ग्रामों में से एक ग्राम जिले का पहला सोलर मॉडल विलेज बनेगा।

जिले के सभी विकासखंड से ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में अब अगले छह माह तक सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, जनजागरूकता अभियान चलाने, घरेलू एवं सामुदायिक सौर संयंत्रों की स्थापना, तथा योजनाओं के लिए ग्रामीणों द्वारा किए जाने वाले आवेदनों की सतत समीक्षा की जाएगी।

इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक चयनित ग्राम में आदर्श ग्राम समिति गठित की जा रही है, जिसमें सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, डॉक्टर, कृषि विस्तार अधिकारी तथा संबंधित शासकीय अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। यह समिति डोर-टू-डोर संपर्क कर ग्रामीणों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। साथ ही पी.एम. कुसुम योजना, जल जीवन मिशन के सोलर डुअल पंप, सोलर हाईमास्ट, सोलर स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा आधारित व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्रदान करेगी।

क्रेडा के सहायक अभियंता विक्रम वर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के दौरान प्रत्येक ग्राम अपनी जरूरतों के अनुसार सामुदायिक सौर संयंत्रों के प्रस्ताव तैयार कर जिला स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। छह माह की अवधि पूर्ण होने पर जिला स्तरीय समिति द्वारा सभी ग्रामों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह मूल्यांकन ग्रामीणों द्वारा स्थापित सौर संयंत्रों की संख्या, योजनाओं के लिए किए गए आवेदनों, सामुदायिक सहभागिता, उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं और सौर संसाधनों के उपयोग की आधारशिला पर किया जाएगा।

इसी मूल्यांकन के आधार पर जिले के पहले सोलर मॉडल विलेज का चयन किया जाएगा और चयनित ग्राम का विस्तृत डी.पी.आर. तैयार कर 15 मार्च 2025 तक ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को भेजा जाएगा, ताकि उस ग्राम को पूर्णत: सौर ऊर्जा आधारित आदर्श मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जा सके।

मुख्यमंत्री साय से हल्बा-हल्बी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ हल्बा-हल्बी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री साय को अवगत कराया कि समाज की ओर से 27 दिसंबर 2025 को दुर्ग के पुलगांव में समाजिक सम्मेलन एवं शक्ति दिवस समारोह, तथा 20 जनवरी 2026 को रायपुर में क्रांतिकारी अमर शहीद गेंद सिंह जी के 201वीं शहादत दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री साय को दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों में सादर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री साय ने आमंत्रण के लिए हल्बा-हल्बी समाज के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और समाज के सांस्कृतिक गौरव एवं प्रेरणादायी इतिहास की सराहना की। उन्होंने दोनों आयोजनों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर महेश गागड़ा, डॉ. देवेंद्र महला, गिरिवर ठाकुर, हृदय राम कोसमा, मिथीर राम सलेंद्र सहित समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

कृषकों के लिए उन्नति का नया द्वारः समर्थन मूल्य कृषक उन्नति योजना से किसान हो रहे सशक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई समर्थन मूल्य नीति एवं कृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में परिवर्तन का कारण बन रही है। प्रति क्विंटल 3100 रुपए की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी का निर्णय किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है। पारदर्शी खरीदी प्रक्रिया और उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध बेहतर सुविधाओं से राज्य के सभी जिले के कृषक अत्यंत संतुष्ट हैं।

राजनांदगांव विकासखंड के धान उपार्जन केन्द्र मनकी में ग्राम सुंदरा निवासी किसान गोपाल प्रसाद ने गत दिवस अपने दूसरे ऑनलाइन टोकन के माध्यम से 71 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना ने किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

समय पर खाद-बीज उपलब्ध होने और सुविधाजनक प्रक्रियाओं के कारण उनकी 18 एकड़ कृषि भूमि से उत्कृष्ट उत्पादन प्राप्त हुआ। श्री गोपाल ने बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से मिली राशि से उन्होंने अपनी कृषि भूमि का विस्तार किया था। इस वर्ष प्राप्त होने वाली धान बिक्री राशि से वे नया घर निर्माण करने की योजना बना रहे हैं। उनका कहना है कि शासन की नीतियों के चलते किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार आया है।

श्री गोपाल ने बताया कि पहले सोसायटी में टोकन प्राप्त करने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन सुविधा मिलने से यह प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है। उपार्जन केंद्र पहुंचते ही उनके धान की आर्द्रता माप, बारदाना उपलब्धता, तौल और सिलाई का कार्य सुचारू रूप से समय पर सुनिश्चित हुआ।

धान उपार्जन केन्द्र मनकी में पर्याप्त संख्या में कर्मचारी, बैठक व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं समुचित प्रबंधन से धान विक्रय प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हो गई है। इससे किसान बेहद संतुष्ट हैं। गोपाल ने धान खरीदी केंद्र में उपलब्ध उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं पारदर्शी प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएमएफ से एक दिन मॉडल जिला बनेगा कोरबा -मंत्री लखनलाल देवांगन

शहर के सड़कों के डामरीकरण और बेलगरी बस्ती क्षेत्र में पुल-सड़क निर्माण कर यातायात को बेहतर बनाने मंत्री ने दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान स्वीकृत कार्यों की प्रगति, किए गए कार्यों की कार्योत्तर स्वीकृति तथा आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार क्षेत्र तुलेश्वर सिंह मरकाम, विधायक रामपुर के प्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जबकि पदेन अध्यक्ष कलेक्टर अजीत वसंत, वनमंडलाधिकारी कोरबा प्रेमलता यादव, कटघोरा के डीएफओ कुमार निशांत, आयुक्त नगर निगम आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, सांसद-विधायक प्रतिनिधि, अपर कलेक्टर श्री देवेन्द्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती माधुरी सोम, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे सहित अन्य विभागीय अधिकारी बैठक में सम्मिलित हुए।

बैठक में डीएमएफ अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जिले के समग्र विकास में डीएमएफ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य तेजी से संचालित किए जा रहे हैं और यदि यही गति बनी रही, तो कोरबा शीघ्र ही एक मॉडल जिले के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पौष्टिक आहार, पीवीटीजी समुदाय को रोजगार, नीट की कोचिंग जैसी जनहितैषी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे आमजन की आवश्यकताओं का समाधान भी होगा और क्षेत्र के समग्र विकास को मजबूती भी मिलेगी। उन्होंने डीएमएफ के माध्यम से शहर के सड़कों में डामरीकरण करने, बेलगरी बस्ती क्षेत्र में पुल और सड़क का निर्माण कर यातायात को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

मंत्री देवांगन ने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए डीएमएफ राशि का प्रावधान सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी मंशा है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो और जनता को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध हों। कलेक्टर एवं जिला प्रशासन इस दिशा में कार्य कर रहा है तथा डीएमएफका उपयोग उच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभागीय कार्यों का प्राक्कलन तैयार कर समय पर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशन में बुका-सतरेंगा एवं झोराघाट क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे कोरबा जिले की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी।

बैठक में वर्ष 2025-26 के महत्वपूर्ण कार्यों, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के प्रावधानों, न्यास राशि के उपयोग, विभिन्न वित्तीय प्रगतियों तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश नाग ने डीएमएफसे संबंधित गतिविधियों, प्रगति तथा आगामी वर्ष के कार्ययोजना के मसौदे की जानकारी प्रस्तुत की। शासी परिषद के समक्ष डीएमएफनियमों, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्रों की अद्यतन स्थिति, भुगतान की स्थिति, डीएमएफ की प्राप्ति एवं व्यय, तथा महालेखाकार द्वारा संपादित आडिट की स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। आडिट में प्राप्त बिंदुओं के समाधान, अनुपालन तथा भविष्य में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व बढ़ाने संबंधी कदमों पर भी चर्चा की गई।

परिषद ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना अनुमोदन हेतु प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार करते हुए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक सुझाव प्रदान किए और भविष्य की योजनाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक का समापन जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में समग्र विकास, जनहित में संसाधनों के प्रभावी उपयोग एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950